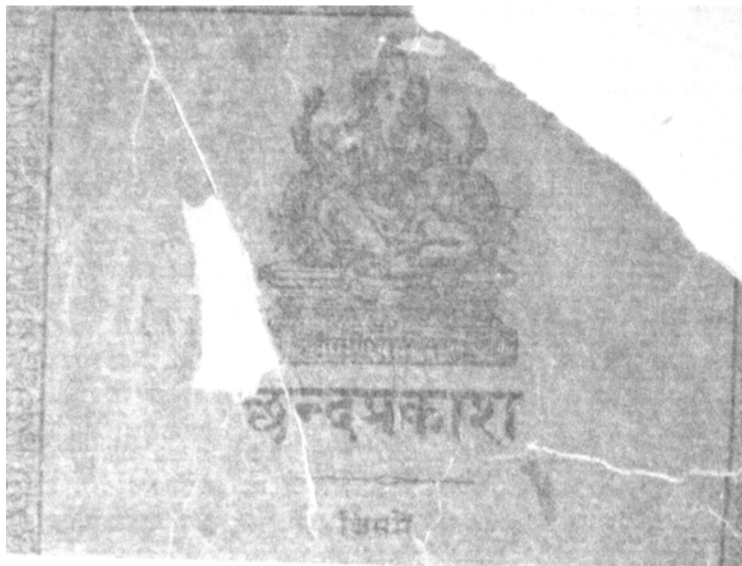
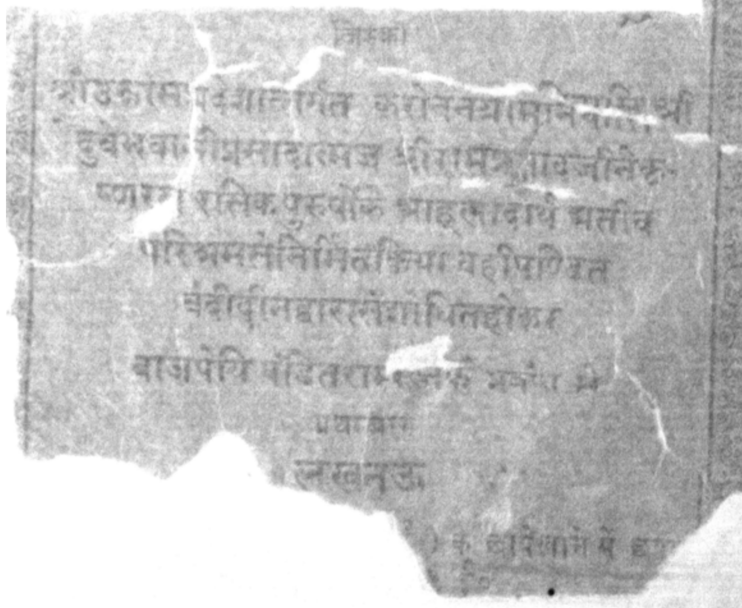


छन्दप्रकाश

जिसको



जिसको

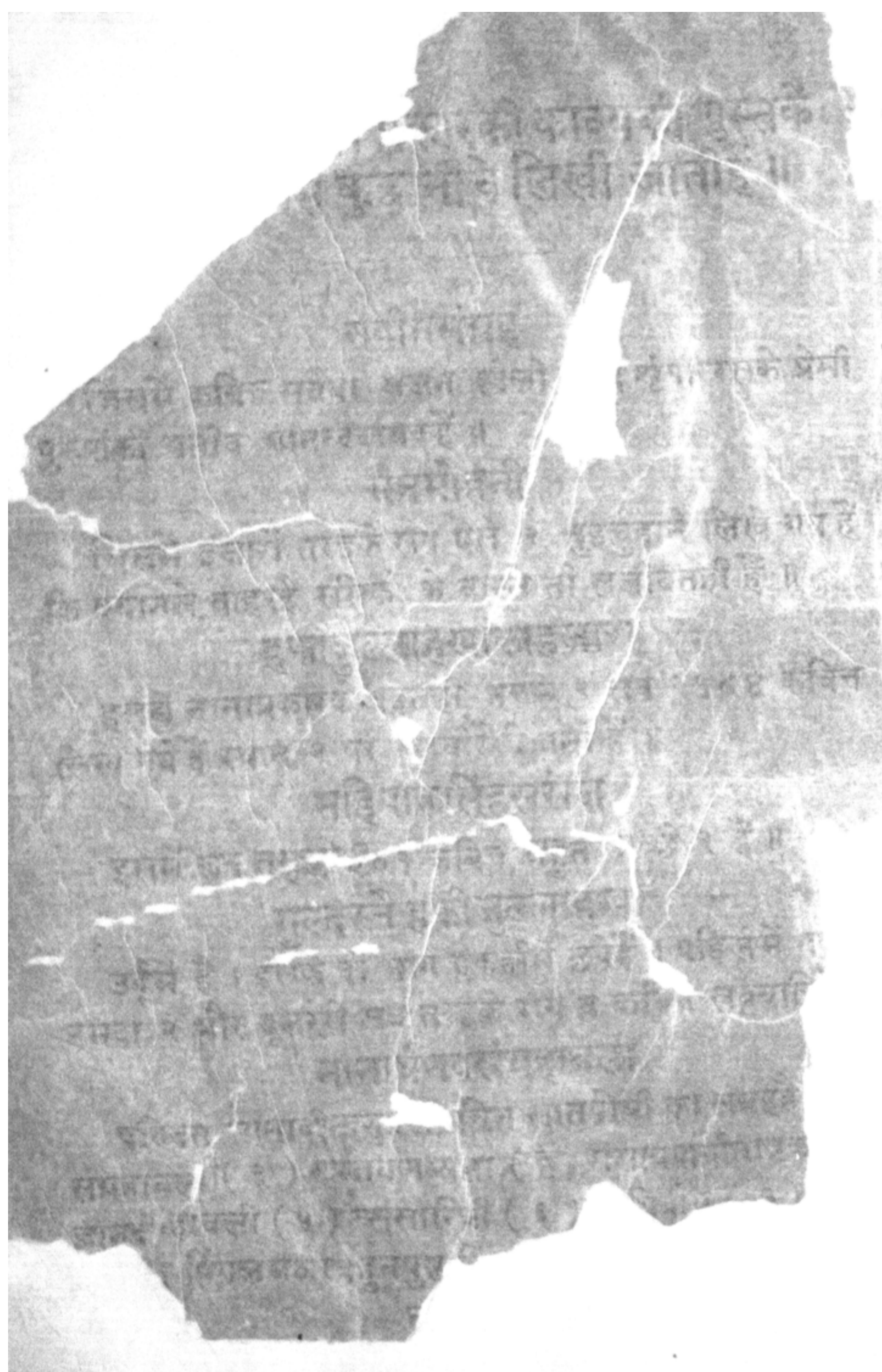
श्रीउकार[illegible] करोनतथ[illegible] श्री
दुबे[illegible] श्रीराम[illegible]
प्यारा रसिक पुरुषोंके आह्लादार्थ अतीव
परिश्रमसे निर्मित किया यह [illegible]
[illegible]

बाजपेयि पंडितराम[illegible]

प्रयाग[illegible]

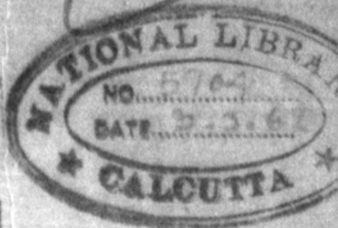
लखनऊ

[illegible] के छापेखाने में छ[illegible]



लिखी जाती है ॥





अथछन्दप्रकाशग्रन्थप्रारम्भः ॥

दोहा ॥

संप्रदायकविजनमते तुलसीकेशवदास ।
रच्योसुरामप्रसादयहु भाषाछन्दप्रकास १

ख्याल ॥ आनँददेतसदानिजदासनसंकटनाशनहैं गनराजा । ध्यानधरेततकाललहैयशजैरनदैकरतिजग काजा ॥ टेक ॥ चारगहेकरअस्त्रदयानिधिशीशधरेरच कीटरसाला । हीरनसेभ्फलकेनगलालनकीकिरणैंशशि हैंअतिआला ॥ कंकणकीभ्फनकारकहैंकसकैंअहिराज तहैकटिकाला । राजतएकहिदन्तदयाकरदायकआनँद नाशकसाला ॥ देखकलेशकोलेशनराखतदासकहैंरखते चितताजाध्यानधरे १ हारगलेलहरातसजेगननाथसदा जनकेहितकारी । आशलगायरहेनितहीयशशेशनरेश रटैनरनारी ॥ आरतनाशकरैंगननायकसंतकरैनितआ शतिहारी । दायकसिद्धिकहैंसगरेअगरेगनराजघनेअ घहारी ॥ दीननकेसगरेअघनाशनहैंगनये... ताजाध्यानधरे० २ आदिअनादिअछैस...

खण्डगनेशकहाते। अंगलखेलजिजातअनंगगजानन कासगरेशिरनाते॥ जेअरचाकरतेचितसेकलिकालक रालकलेशनशाते। अंतलहैगतिसंतनकीगनराजहिये जिनकेरचराते॥ नेहलगाजिनकागनसेहितसेतिनकी हठिराखतलाजाध्यानधरे॰ ३ धारनकैनरकेतनकाकस नारसनागनराजहिजाना। दायकआनँददासनहैदृढ़के हितसेअसनेहनठाना॥ लागरहीजगकेहितसेचितचेत नहींलगनेकठिकाना। गाजतचंगकहैहरिलालनिहार कहैहरिनाथसयाना॥ चातुरकीचतुराईचलीघहरातझ ड़ाझड़चंगयगाजा॥ध्यानधरेततकाललहैयशजैरनदैक रतेजगकाजा ४॥ सखा॥ पांचसौअरुछःवरणसबछंद मेंलानाचही। एकसौअट्ठानबेदीर्घहरफआनाचही॥ तीनसौहैआठइसमेंह्रस्वपहिचानाचही। इसछंदपर जोछंदकहपिंगलसेबहछानाचही १ सातसौचारकला आवै। बराबरवरणगिनेजावै॥ भगनमुनिदोदीरघला वै। कथकरचरनप्रतिकविजनयशपावै॥ विजयछन्द अधरकहाध्यान। रामप्रसाददुबेकाज्ञान॥ सखी॥ कला अठारहकोचरण पंडितधरहुबिचार। गनहु छिहत्तर तीनसौमात्रासर्वनिहार॥ भारछंदआसोकहतकविजन बारम्बार। दुबेरामपरसादनेकहाभेदलखसार॥घोषा॥ पढ़ोउलटासीधासंवाद। अर्थनाभंगमध्यअरुआद॥ मेरेछंदकोतूराखनायाद। गतागतकहैरामपरसाद॥ ...इसमाफिककथिगावे। वही कविचातुर कहलावे ...मारमशतेरानधरामनमा। मानमराधनरा ...क॥ नाचरचातूसमानयेगैलमना। नाम

लगैथेनमासतूचारचना ॥ नावकयेहैरमताहोबसना। नासबहोतामरहेएकबना॥ मांगमततूरेरेतूतमगमा १ नासकजेभयेमनामरासपना । नापसरामनामयेभजेकसना ॥ नासहतालचकाहूकोनगना । नागनकोहूकाचलताहसना ॥ मानबचबीनानाबीचबनमा २ बैजसुजावैपालफलीचसबै । वैसचलीफलपावैजासुजबै ॥ बैकलकातनमानसुलाभनबै।बैनभलासुनमानतकालकबै॥ मालकहेरतौतौरहेकलमा ३ राचेकाभौलोभनगातेरा। रातेगानभलोभौकाचेरा ॥ राहेबेदुखलेहैबसखेरा ॥ राखेसबहैलेखदुबेहेरा ॥ मानतरनलहाहालनरतनमा ४

दोहा ॥ षोड़शमात्राचरणमेंकविजनकरहुप्रमान । छंदबनेयहिभांतिजोचंद्रकलाचितजान ॥ तीनसौबावनकुलकलारचनाकरहुसुजान । दुबेरामपरसादनेकीन्हींछंदबखान ॥ घोषा ॥ नहिंआयेसजनीघनश्याम।वरषसमबीततबैरीयाम॥नभावतमोहनबिनधनधाम।सतावतहमकोनिशिदिनकाम॥ नायकासुकियाबिरहिनजान। रामपरसादनेकहाबखान ॥ छंदगतागत॥ बैसतरातिपलकनादबै। बैदनाकलपतिरातसबै॥ टेक ॥ नमाधोआहेजीताजान । नजाताजीहैआधोमान ॥ नचाहपलकागमारीपान । नपारीमागकालपहचान ॥ बैकसआहैहैआसकबै १ रहाहियेयेलखसोचबिचार । रचाबिचसोखलयेयहिहार॥रमाजीयेहैहारबिहार। रहाबिरहाहैयेजीमार ॥ बैननावजीजीवनानबै २ ललावेनावैभावैजाल। लजावैभावैनावेलाल ॥ लचाबसलीभूविपतागाल । लगातापविभूलीसबचाल ॥ वैफलफूलै लैफूलफबै ३

सखाहीमोरनितैखामास । समाखातैनिरमोहीखास॥
सदाउरनासुखलेतउसास।ससाउतलेखसुनारउदास॥
बैअबैदुरत तरदुबैअबै ४॥ छंदगतागत ॥राकानिसहरख
लहेजीरागसचारा।राचासगराजीहैलखरहसनिकारा॥
टेक॥ लीआकेसरलीतासायेसजहाली।लीहाजसयेसा
तालीरसकैआली॥ललारीसाजेसाथनचेलचजाली।
लीजाचलचेनथसाजेसारीलाली ॥ राधासिगरालखे
खेलरागसिधारा १ रीहातगहैकसआजनिहारहिनारी।
रीनाहिरहानिजआसकहैगतहारी॥ रीजातगहैरीहँसहँ
सदेतेगारी।रीगातेदेसहसहरीहैगतजारी॥ राखानिज
सागरारागसाजनिखारा २ हैतारकरीलालीकछनीठन
ताहै। हैतानठनीछकलीलारीकरताहै ॥ हैतालचलेता
धिनधिनाकिरताहै। हैतारकिनाधिनधितालेचलताहै॥
राजाहरिनाचैननचैनारिहजारा ३ कैगातरचेनारीहँस
अतिगनआकै । कैआनगतिअसहरीनाचेरतगाकै॥
कैआसजगजनराजनारहानसाकै।कैसानहारनाजरान
जगजसआकै ॥ राताजदिहैकरननरकहैदिजतारा ४
दोहा॥तीनसौबावनबरणप्रमान।प्रतिचरणषोड़शबरणब
खान॥ चारसौचौरासीधरध्यान। कलाहैंसर्वछंदकीजा
न ॥ प्रतिचरणबाईसकलाआवैं। रामप्रसाददुबेगावैं
सखी ॥ दसबसुकलापुनिबसकला पुनिषटकलाशुभठा
निये।बत्तिसकलाप्रतिचरणमें विश्रामवेदबखानिये॥
आदिमें धरियेतगनप्रतिचरणयुगलसुमानिये। यहिवि
धित्रिभंगीछन्दरामप्रसादकहतेजानिये ॥ दोहा॥ चार
सौबासठबरणसुजान । सातसौचारकलाधरुआन॥

यगन। छहसठछन्दमेंपरमान॥ नगनबाईसकरौपहिचान। बाईसभगनले पिंगलछान॥ रामपरसादने कथगाया। छन्दतिरभंगीकहलाया॥ छन्दत्रिभंगी॥ सोहैंनवबामा जनुबहुकामा श्रंगललामा सबगोरी। गावैंसबनारी अरुगिरिधारी नाचसुखारी रचहोरी॥ टेक॥ बाजैसहनाई अधिकसुहाई झांझबजाई गतआला। तासाझनकारा बजतचिकारा लैकरदाराब्रजबाला॥ डमरूकहुंजंगी बजतसरंगी नाचतरंगीनँदलाला। दैदैकरताली निरततआली तालनिकाली बहुताला॥ वंशीधुनिबाजै सुखउपराजै भाषतजैजै चहुँओरी १ घंटाघहराते पुरजनगाते शंखबजाते इकतारा। सीटीसनकावै सुरलखगावै लैदरशावै पदसारा॥ बाजैंबहुढोलैं मुहचँग बोलैं देखकलोलैं दुखटारा। साजैंमिरदङ्गै उठतउमङ्गै वारितरंगै सुरधारा॥ वोलालसलोना करजनटोना रीबसहोनामतिमोरी २ लीन्हेंपिचकारीकरबनवारी नैननिहारीतकमारी। डालेगलबाहीं सकुचनताहीं छांड़तनाहीं गहिसारी॥ छाती गहिआकैहसतनचाकै कण्ठलगाकै हितभारी। चारौदिशिछाई शुभअरुणाई धूममचाई अधिकारी॥राधायुतबाला रतनँदलाला गालनआला मलिरोरी ३ जोवेदनगाये सुयशसुनाये पारनपाये गुणगाते। वोहैंअबिनासी सबघटबासी सोसुखरासी कहलाते॥ सोनारिनचाकै निजउरलाकै तालमिलाकै सुखपाते। यहख्यालदुबेको समसरिलैको गाकहदेको घबराते॥ योहैतिरभंगीसबसुखरंगी चालसरंगी रसबोरी॥ ४॥

सारछंद १ श्लोक २ सोरठा ३ तुगाछंद ४ दोहा ५

रा धा सा थ शा म स खि भ ल व न म ध्य मि ले मू र ति आ ला
म र क त म नि मै सा ज क्री ट त न मं जु चा र सो है मा ला टेक
ना चे को म लां ग ना री म न अ ति ह र पै ल ख ब न मा ली
म न म थ गं ज त म न मे रा ह रि की छ बि भू ले ना आ लो
को क ब ब र नै खो र सी स स ब गु न मे आ ला ह रि ख्या ली
ब र ब स मा र ज गा ता सु न गु न बी न ब जा जा दू डा ली
खा न पा न का मि न सा रा त ज ल गा ने ह च ल मि ल बा ला १
न च त नि तं ब भु कै म ट क न वो कुं ड ल में शो भा भा री
भू रि भू म॰ को क ल सी जो र त ग त गा वे शु भ सु र जा री
ल ट क म ट क वो अ दा ब ता वैं ब न ता स ज रा धा प्या री
ना च र ही भा मि न दे ता री ज नु सु भ चि या सी त नु धा री
हि त क र न र ना री फ ल पा वैं भ ज ल ल ता बं शी वा ला २
वे थो री र स ब सी बा ल स ब सु फ ल का म प ति के ध्या वे
न व ल बा म गा व त चा तु र ल ल ता की र ति जै जै गा वे
मा न भ री प्र ति अं ग रि भा व त पा य ल दा रा ठ न का वे
न ख ते प्र भा सि खा लो के व ल है वो श शि स म छ बि छा वे
ना ग सु ता ग न चि त ते ला ज हिं य ह शो भा या सी को बा ला ३
क र ता ले दा द रा स हि त सु र हि त से ले बि बु धा ला जै
रे श म के प ट है शु भ शो भा पैं ज नि या बि धि ब हु बा जै
अ द्भु त प द्म रं ग सी जु व ती अं ग ज डि त सो न ग सा जै
रे ख भा ल धृ त बे नी आ ला ना ग न स म सु भ सि र रा जै
गु ल फ नि तं ब अ नु ठो अं है क हि ये वा सी व है र सा ला ४
मा स जा त दे र न हिं जा नो दि न आ धा स म पा ख बि ता वैं
न र ना री वं दैं हैं धे म न सा फ वो ना ता ब रं स र सा वैं
धा म द या न द ला ल ना च ते ब न तों सं ग हो प्र भु गा वैं
म ग न श्या म छ ब धा म दे ख हो र टै न तूं अं त हि धा वैं
का न न व स्ते सं ग रा धा ब न ता सु मु खी ग त दे चो ता ला ५
म न मो है दे ख त वे म धु ब न र स क ला ल जो मे भा ते
भू म त न ब ल बा म क हुं ना चे पु र बा सी हैं गु न गा ते
ठ ग सी छ की ध्या न में त्या व त की र त नि त गा सु ख पा ते
जा हि दु बे सु म रे म न ते हि त जो न भ जे धा म हि जा ते
न या अ द्भु तं ये प द को ल ख गा वो ब र न म थ नी जा ला ६

सखी ॥ प्रतिचरणमेंबीसअक्षरशुद्धकेकबिताधरो। बिसरामचारबिचारियेयहिभांतिइसछंदकोकरो ॥ गन अगनकाकुछभेदनालैगद्यपद्ययामेंभरो । कितनेमिले लक्षणनहींतोतुमगुणीहमसेडरो ॥ धौसा ॥ चरणतज द्वितियासेगावै । छन्दतबदूसरबनजावै ॥ यहिबिधि चारोचरणधावै। एकमेंचारछंदआवै ॥ रामपरसादयों फरमावै। छंदइसमाफिककथलावै ॥

तुकैंन्यारीन्यारीटेक छंदहैं चारआदिमेंएक छन्दप्रतिचरणअंतरअलापिका ॥

खेलतहोरी लैसंगआली तालबजावै बीन बेहारी ।
कैचितचोरी श्रीबनमाली तानसुनावै लागतप्यारी ॥
टेक मनकोमोहै श्यामसलोना मृदंगबाजै धुनमेंआला।
चंचलवोहै नंदकोछोना कीटबिराजै औबनमाला ॥
समताकोहै नाकोइहोना अनंगलाजै रूपबिसाला।
आननसोहै डारतटोना भूषणसाजै नैनरसाला ॥
ब्रजकीगोरी दैकरताली अदाबतावै ललतानारी १
लैकेसरंगी औयकतारा गोपीगनमें मोहनघूमै ।
पागसुरंगी रूपहैप्यारा राधातनमें हँसकैभूमै ॥
हैबहुरंगी नंददुलारा वृन्दाबनमें गजसादूमै ।
रंगबिरंगी मौहरदारा बंसीमनमें मुंहकोचूमै ॥
लगावैरोरी मोहनचाली धमालगावै देखमुरारी २
अबीरडारै मुंहपैआकै जोरजनाते राहमेंचलते ।
कंकरमारै आंखबचाकै सखीभिजातै वोलालछल्ते॥
गातनिहारै नैननचाकै नारखिजाते नटालेटल्ते ।
चूनरफारै धूममचाकै सैनचलाते चोवामलते ॥
अँगियाछोरी दैलाखोंगाली हाथचलावै लाजबिसारी ३

बेदबखानै नपारपाया गावतजाके गुणकैलासी ।
नारदजानै जेहिकीमाया रसमेंछाके परैनफांसी ॥
सोनारिमानै यसुधाजाया साथनचाके बनीहैदासी।
पिंगलछानै येख्यालआया मूरखथाकै करकैहासी ॥
रसमेंबोरी दुबेनिराली सबकोभावे काव्यहमारी४

ख्यालऊपरकीचाल ॥

लैपिचकारी मुंहपैमारी सखीमुरारी बड़ाहैरारी ।
भिजैकेसारी लखोहमारी श्यामअनारी दीन्हीगारी॥
टेककैबरजोरी लगावैरोरी ब्रजकीगोरी बैसमेंथोरी ।
दैझकझोरी गागरफोरी चंचलओरी बांहमरोरी ॥
चूनरकोरी रंगमेंबोरी मोहेनखोरी हमेलटोरी ।
लैचितचोरी अंगियामोरी हरिनेछोरी खेलतहोरी॥
जोरपुकारी बनमेंप्यारी छोड़बेहारी मैंतोसेहारी१
खड़ानिहारै लैरँगडारै अंतसजारे कंकरमारै ।
दृष्टिनटारै बढ़ावैरारै घातबिचारै बस्तरफारै ॥
सुकाजसारे गाहिबैठारे उड़ावेछारे नेकनहारे ।
देखतुकारे सखाहकारे बैनउचारे हमेंपुकारे ॥
मोहनीडारी तानसुनारी कामरकारी लैबनवारी २
गुनवाकेरा हैबहुतेरा होतसबेरा बाटमेंघेरा ।
शिरसेमेरा बरतनगेरा दहीबखेरा क्षीरघनेरा ॥
कहिकेहेरा आहोवोबेरा भईअबेरा होतअँधेरा ।
कैभटभेरा रसल्योंतेरा ढुढ़कैडेरा करकैफेरा ॥
योंकहआरी चीरगहारी मैंतोबिचारी भईउघारी ३
आलीहंसरी डालफिसरी कैवेवसरी कीजेकसरी ।
जीमेंअसरी छायारसरी वोगाउसरी जीमेंधसरी ॥

काटीनिसरी झांपैबसरी राखोंगसरी जीराबँसरी ।
चारौंदिसरी जादूपसरी धामैंबिसरी गावोंजसरी ॥
दुबेकोभारी ज्ञाननिहारी गानाहैजारी येटकसारी ४
सखी ॥ छसौबहत्तरछंदमेंगिनकेवरणतूलायदे । हरि
चरणइकइसबरणजिनकेहमैंतूसमझायदे ॥ षटपदीषट
छंदइसमेंकाव्यमतसेगायदे । कथकहैंरामप्रसादअबतू
चातुरीबतलायदे ॥ घोषा ॥ सोरठाप्रथमहिधरोबिचार।
पांचवेंघरदोहानिरधार ॥ यहिबिधिचित्रपदाबिस्तार ।
छंदहैनागस्वरूपीसार ॥ मल्लिकाइसमेंकरप्रस्तार ।
छंदयेपांचोबिमलानिहार ॥ एकसेदूजोपंचस्थान । राम
परसाददुबेकाज्ञान ॥

सोरठा १ दोहा २ चित्रपदा ३ नगस्वरूपिणी ४ मल्लिका ५ छंद ६

श्या म अं ग सी ता प त रा जा रा म स दा भ ज ना म ख रा री
म न मो हे स रो ज स म आ न न दा ता जै त म ना सै भा री टेक
अं ग प्र मा की आ भा व र नै तौ न भ व मे ऐ सो त न धा री
गं ज न को ट मै न के मा न स रा जै रा म दा स सु ख का री
हे मो ह नी सु न्द री सो प ट व र न त ना ब नै शो भा सा री
चा र हु वे द क ह ने ति ने ति यो रा म ना म ह रै भौ बा री
रु ज न हीं र हैं ए क गा यें गु ण म हा मं च मा नो भै जा री १
दे न हा र प्र भु मो च्छ वे ज न को को टू जा उ न मा ओ ता री
ख्ल लु ग ज भा लु गी घ तो दे खो प गु प र से वो ना री तां री
त म च र दे व लो क फ ल पा वैं ला खों गे त र दे कै गा री
ला ल च मे खो दे गा ख ल य ह का म तु झे बौ का ल सँ हा री
जै क हु घ री घ री में तूं अ व रे को वा दि न म या बि चा री २
का ल ब ली ध नु ग हे भ या न क ह स ना मा भू सु बू मा री
म नु तैं छा नु भ ला है ल ख खु ल का लै म लि ठ गे को टा री
स ब को क हा ऊं ढ़ ता पा र स ह, म से लै तै जां च नि हा री
त मा त्या ग थ ल छ मा वै ध न ने को न की न्हे न हीं सु खा री
सो ल भ रे ये ना थ हैं अं त न ही नि र खै तूं अं ध अ ना री ३
भा र में ल दो वि व स त रु नी के हा थे डो ल त हे भै टा री
नै न न घ नो म दां ध हि य भ र र स जा ने का खा टो खा री
न र त न द या ही न धा रे क्या र ता लो भ ख ल मा या धा री
नि र भै बा स क रो रा म भ ज जा सु र पु र हो वै ना ख्वा री
हा न को न र घु ब र हि त की न्हे बा ना ले च्चि त में ये धा री ४
रु चा है पं थ कु पं थे जा ने सु ख म म ता में हा नि ति हा री
बि ना भ जे त न ये जा वै गा वृ था को ट बि ध न हीं ब हा री
म न से ब ने दा स जो ना तूं बि क ल फि रे बे हा ल दु खा री
ल हे क हूं आ रा म न फि र तूं स खा न को ई य को पु का री
रू ठ र हे ये पां चो से र ख ने ह न रा य न का म बि सा री ५
प थ में पा हे पा र न के ले ध्या न ई स को म ल कु ल जा री
है स प ना मु नि क हैं ज ग त ये स बै सु ख ले खो छै का री
रा म ना म नि त हो ज ग पा व न ना सैं भौ भै क हे पु रा री
म न की आ सा ल गा के आ प न रा म प्र सा द मा न या बा री
को ऐ सा क य प द गा षे चं ग पै को ऐ सो घु न भ न का री ६

दोसौचौसठबरणइसछंदमेंगिनतीकरो। द्वादशप्रति चरणमेंहैंशुद्धकेकविताभरो ॥ बाइससगनतुकेआदिमें बाइसजगनअंतयेधरो । करियेचवालिसभगनइस्मेंद ग्धपदलखकेहरो ॥ घोषा ॥ एकसौबरणछिहत्तरजान। छं दमेंहस्वगुणपहचान ॥ वरणचौआलीसदीरघठान। रामपरसाददुबेकाज्ञान ॥ ख्यालप्रतझटका ॥ सखिलेखेलत हैंबिमलफाग। सबगावैंमिलकैसरसराग ॥ टेक ॥ कहिं बाजेमुरलीमधुरताल।तबलामोहरढोलकबिशाल॥ घुंघु रूकीगतनाचतरसाल। गिरिधारीनिरतैसकलबाल ॥सु नहोरीउठतामदनजाग। सबगावैंमिलकैसरसराग १ सहनाईतुरहीजलतरंग । कहुंतासाचुटकीगतउमंग ॥ थिरकैंतालनपैचढ़तभंग। करडालेसबकेअरुणअंग ॥ बनसोहैजनुहैअमरबाग २ सखिधावेंकरमेंभरअबीर। मलकैगालनछीनतसुचीर।पिचकारीचलतीझरतनीर। झूमैंकिलकैंकलकुलअहीर ॥ निरखेवाछबिगोभरम भाग ३ गुणगावैंशिवजीसकलबेद । नहिंपावैंजिनका कबहुंभेद ॥ अबिनाशीजिनकेगुणअभेद। सपनेमेंकुछ नाहरषखेद ॥ करताआपदुबेलखहिजाग । सबगावैं मिलकैसरसराग ४ गतागत॥ मानतजैनारीतेहौगनमा। मानगहौतेरीनाजैतनमा ॥ टेक ॥ कैआसाजैहौपासवा सलाकै। कैलासवासपाहौंजैसाआकै । कैजासबकामों काकायापाकै। कैपायाकाकामोंकाबसजाकै॥ मालपरा सायोसारापलमा १ राचेकाभौंहैखलबसतेरा। रातेसब लखहैभौकाचेरा॥ रानेनाहैखलअपनाखेरा। राखेनाप अलखहैनानेरा॥ मारलोभतूंजोतूंभलोरमा २ बैसना

खोतूंनामरटेनबै। बैनटेरमनातूंखोनासबै॥बैजसुजारेतूं वैपालफबै। वैफलपावेंतूंरेजासुजबै॥ मातरहैमायामा हैरतमा ३ रामसोहैयाआसालखेजरा। राजखेलसा आयाहैसोमरा॥ रातेसोंगैजागेजोजीखरा। राखजी जोगैजागेसोतेरा॥ मारवेदुजीलेजीदुबेरमा ४ नायकास्वकियाप्रथमफिर भेदइसमेंतीनहै। मुग्धाऔ मध्यातीसरी प्रौढ़ायेवेइनकीनहै॥ देखइनकेभेदलक्षणकहै कविपरबीनहै। काव्यपिंगल बहुकविनकेमतेह मनेलीनहै॥ घोषा॥ तीनिसौतीसहरफसबलाव। नगनगनअट्ठासीकिथगाव॥ अंकलघुतीनसै आठसुनाव। अन्तमें बाईसजगनदेखाव॥ मात्राकुलतीनसै बावन आन। रामपरसादसेसिखतूज्ञान॥ ललामाछन्दकहा धरध्यान। बनायापिंगल मतसेठान॥छन्दललामा॥ कछु कभइमधुरमधुरमुसकान। अलिनसंगकबहूँलगतअठिलान॥ टेक॥ कछुकसकुचतकछुलगतढिठान। कछुकमनमदनलगतउमड़ान॥ चलतगजगवनकछु ककरिमान। कछुकतनछबिसुचलगिछहरान॥ कछुक इतउतचितकरतपयान १ कछुकरसयुतमुखवचन बखान। कछुकरुचिचितसुचलगिउलहान॥ कछुकम नबढ़तसुनतरसतान। कछुकचषचपलमनहुंरसखान॥ उठतकुचजनुयुगकलशसमान २ कछुकरुचअभरण सुचपहिचान। कछुकछबिसरसतलखिमुखपान॥सकल तनबढ़तचढ़तमदजान॥निरखसबतनउरकसकतबान॥ कछुकलखिगुरुजनलगतिलजान ३ अतिहिचितयशु मतिसुतसुखमान। निरखसखिनवलसकलदुखहान॥

कहतमनसुखहुरमतहनुमान । बिमलपदकबिजनबुध
मतछान ॥ भनतद्विजइमिकथपदगुनवा ४ षष्टिष
टजिसमें यगनबाइसतगनपरमानहै । बाइसभगनबा
इसमगन दुतियाचरणअस्थानहै ॥ एकसेअठयानबे
कुलबरणकीपहिंचानहै । ह्रस्वछेसठछन्दसोशिवमोद
नामसुजानहै ॥ चौपा ॥ तीनसौतीसकलाबिस्तार । छन्द
शिवमोदकाप्रस्तार ॥ एकसौबत्तीसदीर्घबिचार । ग्रंथपिं
गलसेधरेनिहार ॥ छन्दइसमाफिककथलाना । नहींतो
सनदनहींगाना ॥ नायकाअज्ञातयौबना । अकेलीगईआज
पानी । राहमेंश्यामामिलादानी ॥ टेक ॥ कहेकीचलो
साथमेरे । बाटमेंलालखड़ाघेरे ॥ रहानकोईसखीनेरे ।
नासुनेकोईअलीटेरे ॥ दोहा ॥ करसेकरमोहनगहा चला
मोहिंलेसाथ ॥ गलेलगाफेरैसखीमोछातीपरहाथ ॥ परे
नकछूबातजानी १ अगारीहमेंगरेभूमें । जोरसेदाबत
हैभूमें ॥ गहेवोउभैगालचूमें । गातवाकोनसकोछूनें ॥ दोहा ॥
जोरकरतमोगातसेअपनेअंगलगाय । मैंवासो छूटाच
हौंवोमोसोंलपटाय ॥ नमेरीसुनैश्यामबानी २ हलावेह
मेंआपहाले । जोरसेचोटसखीघाले ॥ बजेपैजनाजोरता
ले । श्यामवोबांहगलेडाले ॥ दोहा ॥ बहेपसीनाअंगसेभीजे
मेराचीर । कछुलागैनीकोसखीकछूहोततीपीर ॥ कहींमैंमे
रीजोरबानी ॥ ३ ॥ चलीमैंजबैश्यामत्यागी ॥ सासूमेरीबकने
लागी ॥ जभीसेहियेआगजागी । रातकेआंखनहींलागी ॥
दोहा ॥ सुनतहँसीसखियांसबैजोजानेरसरीत । दुबेरामप
रसादकहैंभईश्यामसेप्रीत ॥ हरीकोभजोनामज्ञानी ॥ ४ ॥
ख्याल ॥ भैबिकल दुरपदी आरतगिरापुकारी । ब्रज

राजआजअबराखहुलाजहमारी ॥ टेक ॥ जहँद्रोणकरण भीषमसेहैंअनधारी। सुतधर्मभीमपारथनेहिम्मतहारी॥ कररहादुशासनसभामेंमोहिंउघारी । इनपातितननेहैंमे रीअपतबिचारी ॥ सबदेखतमैंअबहोतीहूंनाथउघारी। ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमारी १ सबबरणैनि गमपुराणसंतभयहारी । करियेसहायकरुणाकरवामवि हारी ॥ तुमतजदूजोजगऔरनहींहितकारी । हेत्राहि पाहिप्रभुआरतहरनमुरारी ॥ पतिजातनाथअबकेवल आशतुम्हारी। ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमारी २ दुर्योधनमूरखचहतवजावनतारी । करियेसहाययदुनं दनअबकीबारी ॥ भरिनैननीरबोविनवै द्रुपदकुमारी। यहिऔसरराखौलाजनाथदनुजारी ॥ अबनाथरहगई तनपरथोरीसारी । ब्रजराजआजअबराखहुलाजहमा री ३ बढ़चलाचीरभुजखैंचतखैंचतहारी । नाचलत किसीकीजबसहायगिरिधारी ॥ लगगयेचीरकेढेरस भामेंभारी । लखकौतुकहरषेहरिजनपुरनरनारी ॥ हैं दुबेरामपरसादकेप्रभुबनवारी । ब्रजराजआजअबरा खहुलाजहमारी ४ करियेसहायनँदनंदनकरोनदेरी। दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ॥ टेक ॥ सबबैठेकौरव पांडुसुवनमुनिज्ञानी। युतधर्मभीमपारथनेउरभयमानी॥ पतिलेनचहेदुरयोधनहैअभिमानी । तुमआरतहरमह राजावेदबखानी ॥ अतिबिकलकहतमोहनमैंतेरीचेरी। दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी १ जोनाथबिनैतुमाचि तपरनहींलाओगे।दासीकेहितयहिऔसरनहींधाओगे॥ पतिगयेहारिफिरि क्याजबतुमआवोगे। फिरिदेखउघारी

मनमहँपछतावोगे ॥ तुमदेरकरतकसकनाथहमारीबे
री॥दुरपदीकहैपतियदुपतिराखौमेरी२ करगहैदुशासन
चीरमंदमतिठाढ़ो॥अबतोयदुनंदनपराहैसंकटगाढ़ो॥मु
खसेजबकरुणाबैनरुदनकैकाढ़ो। थकगयादुशासनचीर
इसतरहबाढ़ो ॥मतिथकितभईलखबढ़ीचीरकीढेरी ।दु
रपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ३जनहितकारीदुरपदी
काचीरसँभारा।नाहुआकाममनदुरयोधनकाविचारा ॥
उनमतिमंदोंकाहरिनेगरबबिदारा । हरिभक्तनकोहैहरि
कासदासहारा ॥ जनदुबेरामपरसादशरणमेंतेरी ।
दुरपदीकहैपतियदुपतिराखोमेरी ४ ॥ ग्रीषमचली
श्यामनहिंआयेबरषाबैरनआवतहै । कासनकहोंश्या
मबिनआली हमकोकामसतावतहै ॥ टेक ॥ जादिन
गयेत्यागहरिगोपी यमुनाकूलकछारनको । व्याकुल
सबैबालकरिमाधौ गयेचेरीहितकारनको ॥ मैंबिनहरी
भारकरजानो पटझीनेगरहारनको । तापरहमैंदेत
दुखभारीपपिहाप्राणसिधारनको ॥ गावतसखीरागजि
तकोई हमकोनेकनभावतहै १ हेसखिधरोंधीरकहुकैसे
मिलतीनासुधआवनकी। मैंतलफतीरैनदिनआली सु
धआयेमनभावनकी ॥ नैननपरैचैननहिंमाई जरैआग
तनतावनकी । याऋतुगईरैनदिनरोते फिरआईऋतु
सावनकी ॥ मैंतरसतीलालबिनदेखे अनयानीनहिंभा
वतहै २ मैंकिमिजियोंदेखिघनकारे दुखपावोंजलकेबर
से। मोरनअलीशोरसुनलागैं निशिकारीलखकैंसरसे ॥
दामिनछटादेखहियफाटै मरहोंमारछुरीकरसे । जाकर
कहौकोईदुखमेरौबिनमाधौबनतातरसे ॥ आवहुहरीफे

रयाहिखोरोंदुखराधेअतिपावतहै ३ सौतनबसीकीनगिरि
धारी उनपैडारदईफसरी। मैं बिलपतीहाथमलआली
कहुरीहैकुबरीकसरी॥ जावशपेरलालनहिंआये बिरहा
दाहदहैअसरी। गावतनईचालकथऐसी गिरिधारीबि
रजूहसरी॥ दैकरबड़ीतालचंगपै तूममआगे मुँहबाव
तहै ४ ज्ञानगुणदायक बिनायककेचरणचितआयकै।
जोरयुगकरमैं कहोंकरौ बासमोउरआयकै॥ टेक॥ बा
नीबिमलदीजेमुझे कहोंबिमलछंदबनायके। बरणौंना
यकाभेदकछुकथशारदापदध्यायकै॥ घोसा॥ लाजयुतानि
जपतिकोउरध्यान। अंगहैचारुमधुरमुसक्यान॥ अरु
णहैअधरजबखायेपान। शीलयुतकहियेसुकियाजान॥ म
नोहरनखशिखजाकेअंग। रामपरसादकोगरजैचंग॥ शी
लभरीपतिनेहपगीतनसोहतचारुमनोहरताई। नैननमें
कजराझलकैसुचआननदेखतइंदुलजाई॥ टेक॥ केश
मनोहरनागलजावन मांगमनौजलधारबहीहै। चारुहँ
सीमनमोहतहै छबिदांतनकीनहिंजातकहीहै॥ कानन
भूषणचारुजड़ेनगरूपकिकाहुनथाहलहीहै। देखतही
कटकेहरभीचितलाजतकाननराहगहीहै॥ जातचलीजि
तहीतितहीसबदेखतमोहतलोगलोगाई। नैननमेंकज
रा० १ जोनथनीझुलनीझमकैगरहारघनीछबिकोसर
सावै। सोहतचंपकलीदुलरीतिलरीतनकीद्युतिमेंछबिछा
वै॥ छापछलाचुरियाबँगलीकरकंकणकेसुरशोरमचावै।
पावनमें पकपानबजैं घुंघुरूबिछियापगमें झनकावै॥ कूर
कियेचितकेकरताबिधिनेनहिंदूसरिवामबनाई २ हैगज
गामिनिबालनबीनबनीचपलासमचातुरनारी। षोड़श

केश्रृंगारअभूषणगातबिशाललसैशुभसारी ॥ जाव
कलाललसेपदमेंसुचचालचलैमदमेंमतवारी। कोविन
मोलबिकायनहींनखहूशिखहूअसरूपनिहारी ॥ कोबि-
दऔकबिथाकरहैंउपमातनकीकतहूंनहिंपाई ३ कीरति
कीतनयासमऔरनहींदुसरीकहुँनारिललामा। देखतही
सकुचातहियेकमलाबिबुधालघुलागतकामा ॥ भाषत
छंदअनंददुवेयहिमूरतकीसमकौनसिबामा । चाहत
हौंपदकीरजमैं निशिबासरगावतहौं गुणरामा ॥ लै
करचंगअड़ाइसापरमाहरि नामकीराहसवाई ४ ॥
सखी ॥ आगवनयौवनकोजाने मदभरीअठलातहै। क
बहूँनिरखिछाईमगनलखिआरसीमुसक्यातहे ॥ कबहुं
झमकचढ़तीअटा कबहूँमरोरत गातहै । यहिभांति
रामप्रसादभाषत नारीयौबनज्ञातहै॥ चौपा॥ मगनबाई
सजिसमेंआवें । चवालीसजगनगिनेजावें ॥ नगनप्र
तिचरणएकगावै। एकसौदशदीर्घलावै॥ ह्रस्वएकसौ
चौवनभावै। रामप्रसादयेसमभावै ॥ एकसौचौसठब
रणज्ञानी । तीनिसौकलाचौहत्तरदेख । रबिककलाछ
न्दइसेतूलेख ॥ आयोयौबनतनमेंउमड़ात । आलीवा
चलतसमैअठलात ॥ टेक ॥ बैठीसोउठकरकेपरभात।
लीन्हेंहैमुकुररहीलखिगात ॥ शोभाआननलखिचन्द
लजात। बानीबोलतसजनी सकुचात ॥ देखेमोहन
मुखकोललचात १ सारीहैअरुणचलेफहरात। नैनहैं
चपलनहींठहरात ॥ बोलैवोमधुरमनोहरबात। बोली
मेंपिकगनमोरसिहात ॥ देखोतोत्रिमलछबिछहरात २
केशोंमेंचमकघनीलहरात । बाजेपैजनबिछियाझहरा

ता।चीताकीसमकटिहैबलखात॥ जोईदेखतमुखसोंअकु
लात। रंभाभी अतिमनमेंसरमात ३ राधेकोनखशि
खहै जलजात । मोहेमोहनलखिकैमुसक्यात ॥ मेरे
तोइसछन्दमेंअबमात ।सारादंगलखुशचंगगहरात॥
गातेहैंबिमलदुबेइसभांति ४ ॥ सखी ॥ मुगधाजोहैभ
यलाजयुतरतिनाचहैपतिसंगजी । ताकोनौढ़ाकहतहैं
कबिताजोहै रसरंगजी ॥ वरणउत्तमचालसुन्दरगौर
जाकोरंगजी। चखचपलआननचन्दसाउमगातगात
अनंगजी॥ घोसा ॥ सगनदोसौग्यारहधरुआन। चार
सौबाईसहस्वप्रमान॥ दीर्घ हैंदोसौछिहत्तरजान। छः
सौअठ्यानबेअक्षरमान ॥ सोलाचौदाऔरबीसबखा
न। तीनयेचरणसुभगगुनीठान ॥ चौकप्रतिझेलातीन
सुजान। वरणसोलह सोलहधरुछान ॥ रामपरसादने
कथगाया। छन्दात्रिगुनात्मककहलाया ॥ सखिसाथग
ईथिनईदुलहीकुलिवाई। लखिकैछबिवाछिनवेगिरिधा
रीजी ॥ हँसिकैबनितासकुचानिरहीसखिकीगहिसारी
जी॥ टेक॥ धरिहाथहरीअपनेगहिकंथलगाई यहदेख
दशागइवासयानीजी । मुँहचूमतचन्दसमानगहेकुच
मोहनपानीजी॥ भरिकैजलनैननबालवधूअकुलाई।स
बगातकँपैनहिंबोलतबानीजी॥ भइइन्दुबधूसमबालल
गेहरिहाथसयानीजी॥ झेला ॥मुखचूमतजानतआनतइ
न्दुदुरावै। परसेहरित्योंवहआपनअंगछिपावै॥लखिके
मुखमंजुमनोहरचन्दलजावै । चपलासमसोहतहंसकु
मारी १ गहिकैकटिमोहन लापलकापरडालीउलटैप
लटैंशुभगातमरोरेजी। उझकैझझकैं सिसकैंनिसकैंनि

जनैननजोरेजी ॥ जनुसेजपड़ीचपलासमचंचलआ
लीतड़फैअबलाकटिचीरनछोरेजी । पगमेंघुंघरूपक
पानबजैमुखचूमतमोरेजी ॥ झेला ॥ अबआनफँसीहरिके
बशबेबशगोरी। रसलूटलियाहरिनेकरकेबरजोरी ॥ भ
रसांसबड़ीबनितानिजनाकसकोरी । कहिहायमरीअब
जोरपुकारीजी २ करकेलिहरीयुवतीसननेहबढ़ायाजब
बालकहैमतिमोहनबोलोजी।सकुचातहियेयुतलाजकहै
मतिघूंघटखोलोजी॥तनमेंमनमेंरतिकोरसआलसछायो
वहनारिकहैअंगियानठठोलोजी। हमकोअबसोवनदे
हुललातुमहूंअबसोलोजी ॥ झेला ॥ इसभांतिहरीखु
शहोसवरातबिताई । बनिताचहती घरजाननदे यदु
राई ॥ सबरातजगेअँखियों झलकैअरुणाई ॥यहिभां
तिगईचलवानिशिसारीजी ३ रजनीवितईचितईमुख
मोरनबेलीकरजोरकहैंधरहाथनमेराजी । घरजानह
मेंअबदेहुललाकहती बहुतेराजी ॥ घरनारगईउठकै
सकुचातछबिलीनंदलालचले अबदेखसबेराजी। कथ
कैइसरंगतछंदकहागरजैनिजघेराजी ॥ भरिकैरसमेंयहु
ख्यालसुनोकथगाया । समझैइसकोगुनवानदुबेफर
माया॥ तुमकासमझौबिनज्ञानगुनीसरमाया। रखचंग
करोहमसेलाचारीजी ४ एकतरवरपक्षीदोबैठेचारलगेहैं
जिसमेंफल। इसदरखतकावोपहिचानेजिसकीहोवैमती
बिमल॥टेक॥शाखातीनसुहावनउपजींतीनसेफिरज्यादा
विस्तार। एकशाखमेंपांचडालियांपांचपत्रउपजेगुलजा
र॥पांचपांचसबरीशाखनमेंनिकलीडालीकरशुमार। एक
एकमेंदोदोउपजीसुभगवरणउनकाआकार ॥ बड़ातूल

हैदरखतभारीदेखौइसकीछांहअचल १ हरडालीमेंदो दोडालियांहुवासुभगइसकाफैलावो । तीनमेंपंद्रातीस पंद्रामेंसाठतीसमेंगिनबतलावो ॥ एकसौपांचपत्रहैंइस मेंपत्रपत्रकोभेदसुनावो । कौनजगेदरखतजामाहैकहां मूलतूकथकैगावो ॥ कौनकौनडालीमेंकितनेगिनबत लानापत्रसकल २ नामबताअबतूपत्रौंकेकौनजगेतरव रकामूल। चारफलहैंकौनकौनसेकौनबतातरवरकेफूल॥ इसदरखतसेबाहरहैक्याबतलादेतूइसकातूल । इसकी हवाबड़ीपरबलहैहवालगेगैलाखोंभूल ॥ मैंपूछौंदरखत मेंकहदेकौनसीहैगीचीजअसल ३ बरणइक्कीसचरनमें इसकेगिनेलगायेकरलेध्यान । चारसैबासठअंकछंदके चतुराईकेकहेबखान ॥ दुबेरामपरसादकेचेलेसबीतरेसे हैगुनवान। मुनशीमनसुखलालअनंदीसेगानेमेंमतकर सान ॥ गातेमोहनलालसभामेंनिकलगयानिगुरेकाबल ४ मूलधर्मशुभशाखात्रिगुनचारपदारथवाकेफल । पर मातमऔर जीवआतमापक्षीबैठेउभैबिमल ॥ टेक ॥ सतगुनमेंअपतेजऔवायूनभपृथ्वीयेपांचौजान। अपसे दायाश्रधातेजकरिद्दढ़ताऔबिश्वासकोमान ॥ वायूसे भक्तिऔरज्ञाननभसोनिर्लोभीधरमबखान। पृथ्वीसेधीर जसुशीलदायामेंसत्यऔरशीलकोमान॥पवित्रपरमार्थ श्रधाद्दढ़ताविवेकबैराग्यअचल १ बिश्वासमेंसंतोषक्षमा भक्तिमेंभावऔरप्रेमनिहार । ज्ञानसेधुनवध्यानहुआनि र्लोभसेकीर्तियशाबिस्तार ॥ धर्मसेशीलउभैकरुणाधीर्य्य सेयोगवतपहैसार। सुशीलमेंहैसुमतदूसराधर्मदेखलेहि येबिचार ॥ सतोगुनशाखामेंइतनेडालीपत्रसुनभेदअस



ल २ रजोगुनमेंशब्दतप्सभारूपऔररसगंधबतायां। शब्दमेंतेजऔरदानतपसमेंअसाधनासंयमपाया॥ रूपमेंमनचितरसमेंसत्यतासुधर्मजिसमेंआया। देखदीनताऔरउदारतागंधसेइनकोउपजाया॥ तेजमेंद्रव्यबड़ाईदानसेसुखहोताहैभोगअसल ३ साधनमेंसतसंगसेवासंयममेंनामव्रतयेन्यारा। मनमेंबुद्धिइंद्रीऔरचितसेपवनऔररसहैप्यारा॥सत्यताईमेंसुयशऔरउपकारभेदसुनलेसारा। सुधर्मसमताशीलदीनमेंसुभागशुभसंगतधारा॥ उदारतामेंयशउपजानम्रताहुईइसमेंनिर्छल ४ तममेंप्रानऔरपानसमानउदानव्यानपांचोंशाखा। प्रानमेंमदमत्सरऔरपानमेंकुमतदुर्मतीकोराखा॥ समानमेंतामसनिद्रासुनभेदगुनीकथकरभाखा। हैउदानमेंहैदुरबुद्धिदूजाकुसंगमेंहैमनमाखा॥ब्यानमेंहुआअसत्यकपटसेहुआदेखआपैयेछल ५ मदसेदंभऔरअहंकारमत्सरसेमोहमिथ्याबानी। कुमताकुयशकुशीलदुर्मतीतृषाअधमताकोजानी॥ तामसमेंहिंसाऔरक्रोधनिद्रामेंहानिदुखसुनज्ञानी। कुसंगईर्षाकलहदुर्बुद्धिशोकसोचबशअभिमानी॥ असत्यमेंपाखंडलोभहैसुनकपटकाममायाकेबल ६ अर्थधर्मऔरकाममोक्षमेंचारफलशुभसुखकारी। एकसौपांचपत्रऔरशाखाइसीमेंहैखिलकतसारी॥ कहैरामपरसादइसकीमूललगतीहमकोप्यारी। सुखनंदनसुखदेनहारकहतेइसकीछायाभारी॥ गातेमोहनलालमूलइसकीगहिकैहोगयेअचल ७ अबतकतोबांधनायादनतुझेलँगोटा। मैंदानपंकड़मैंतुझपरजड़ोंखसोटा॥ टेक ॥ दस्तीलुकानझटपटबगलीपरलाऊं।

करमोढ़ाटालहथउतारजमीछकाऊं ॥ गरबचेतोगौमुख गलुबंधादिखाऊं। करखपाभुलावातुझको अधरभुलाऊं करपात्तीतोड़लैकीलीपरतुझेघुमाऊं । तूंगिरदबांहपरब चेगिरेहकैजाऊं ॥ पटकरौंकलाजंगएकलंगाअतिखोटा १कसकूलाढांककमचीपरटांगउड़ाकै । बल्लीऔरबाह ल्लीगरलपेटपरलाकै॥ कररुईदस्तमुगलेपरझोंकबचा कै। करकैनिकालगुपचुपमेंतुझकोलाकै ॥ घुड़पलान झोलीतुझपरखूबबनाकै। कोहनीलपेटथकरूममेंचक्कर खाकै॥ झटपटअसवारीडालीदेखतुझेमोटा२घिस्सापर इंद्रीगरदनऊपरधरकै।पुरियाचरखापरराखागठरीकर कै॥ हत्ताचढ़ायऔरकुफरतोड़कोभरकै। तबकमरकोड़ा मेंरोवैगाऔंधापड़कै॥ मोतीचूरऔरनिकलमेंतूंफिरिफि रिकै।मुंहतोड़कुड्डेसेबचेगाक्योंकरगिरिकै॥ उठतेहीउखे ड़पुठीपेदियाझँझोटा३हौदाऔरमहोतीगोनढालकिया झटका। कैबालसांगड़ाघनचक्करनाहिंअटका॥मुर्रीऔर धड़कामुझेनहींकुछखटका॥तिनकासमतुझकोछातीफार मैंपटका॥ करसकलसमेटामारदेखजीसटका। करलकड़ तोड़मेंझटकातेरीकटका ॥ टिब्बीमोजाकरअलगतूंबि लकुलछोटा ४ अबदेवबन्दकी दिलसेदहशतखावै । उठतेहीमैनाकेफंदेमेंझटफँसजावै॥ मतदुबेरामपरसाद सेसानबतावै । हैबहुतपेचतूंसुनकैमतघबरावै ॥ सीख नातुझको अबबाबूजीसेसिखजावै। रमजानसेमतलड़ योंढोलाफरमावै॥ आदमबरूशबटईनेजड़ातुझसोटा। मैंदानपकड़मैंतुझपरजड़ोखसोटा ५ शिशिरअंतदरशै बसंतघरनहींकन्तजीमेंतरसों। पवनजोरचहुंओरघोर

रहेआंबमौरफूलीसरसों ॥ टेक ॥ बैरीहैकामदुखदैतमा
मभवबरषयामजैसेरतियां। नाकहूंचैनभुरतेहैंनैनकरि
सेजसैनफाटेछतियां॥होतीबेहालबिरहिनीबालसाखिन
हींलालभेजीपातियां।कैकहांवासकरतेबिलासकिसकेअ
वासकरतेबतियां॥गैश्यामभाखकैअवधपाखअबरहेमा
खबीतीबरसों १ कांपतागातलखिपीरेपातकछुनासुहा
तबेवनमाली । सुनतरागउठैहियेजागबिरहाकीआग
तनमेंआली ॥ जीजातभूललखघनेफूलहीउठतशूलदे
खतलाली। आयेनलालमेंआतिबेहालपढ़कौनबालमो
हनीडाली ॥ कोकिलाकूकसुनिउठैहूकपरिकौनचूकमेरी
बरसों २ सारीसुरंगसजचारुअंगमनमेंउमंगहैछाबिछा
ई।सोलाशृंगारतनमेंसँवारगावतसुनारिजीसुखपाई॥
होकेसुतंतहरिगेदुरंतबैरिनबसंतमालिनलाई।भैकामभी
तभावतनगीतसबबिनामीतभैदुखदाई॥ बाजोंकीताल
सुनकैबेहालबिननन्दलाललागैशरसों ३ हैधन्यनार
जोतनसँवारपीसंगबिहारकैसुखपावै । वाहीकेकाजआ
योऋतुराजसजकैसमाजहीलपटावै ॥ बाजतेचंगउड़
रहारंगकहैदुबेदंगसबहोजावै। ढोलाकुलीनगुणमेंप्रबी
नछंदहैनवीनकथकैगावै ॥ येनईचालकेमोहनलालछं
दसाँचेढालजीहैहरसों ४ चारसेचालीसहरफइसछं
दमेंगनआनिये । प्रतिचरणमेंबीसअक्षरशुद्धकरिकेठा
निये॥प्रतिचरणहोअंतरअलापीछंदगतिपहिचानिये।
कहतेदुबेहरि चरणमेंबिसरामवेदबखानिये ॥ चौसा ॥
चरणतजदुतियासेगावै । छंदपुनिदूसरबनजावै ॥
प्रतिचरणयोंहींकरतजावै । चारछंदएकमेंदरशावै ॥

रामपरसाद नेकथगाया । चंग दंगललखड़काया ॥
कामसतावै लालबिनारी ननींदआती बसंतआयो।
नधामभावै भईदुखारी लिखीनपाती दुरंतछायो ॥
टेक ॥ येआंबमोरैं पलाशफूलें कोकिलकूकै देतकसाई।
दुःखमरोरै उठतीशूलें हियमेंहूकै बिनाकन्हाई॥
जोरझकोरैं सरसेहूलें समीरझूकै हैदुखदाई ।
ब्रजकीखोरैं दुखकीमूलें बिरहाफूकै येतनमाई ॥
कौनसुनावै दशाहमारी श्यामसंघाती कहांलुभायो १
कतौंसरंगी सितारबाजै नचैसुबाला मंगलगाकै ।
रंगबिरंगी शृँगारसाजै नारिबिशाला तालमिलाकै॥
झालरजंगी नौबतगाजै धुनमेंआला शंखसुनावै ।
बाजतपुंगी याछबिसाजै तालतिताला जीलरजावै ॥
चैननआवै सखीहमारी धड़कैछाती रागनभायो २
भेदुखदाता सबैतमासा नीकनलागै आवतहोरी ।
कछूनभाता भोगबिलासा बिरहीत्यागै काजररोरी ॥
सुनैबिधाता पुरवैआसा यहभैमांगौ सजनीमोरी।
बिथामिटाता करैखुलासा भाग्ययेजागै कबधौंगोरी॥
कंतनआवै बसीबिहारी सौतसिखाती हमैंभुलायो ३
नारसुभागी बिसंगसोवै गलेलगावै मदभैटारे ।
रसमेंपागी आनँदहोवै नेहबढ़ाकै अंगसवाँरे ॥
कौनअभागी हमसीरोवै बसंतपाकै तनकोजारे ।
कामकीआगी तनकोखावै विषकोखाकै मरौंविचारे ॥
दुबेबनावै पदहैभारी देहसुहाती चंगबजायो ४
सखी ॥ तुमब्रह्मातुमविष्णुतुमहीशंकरकैलासी। परब्र
ह्मसुखधामतुमहीअजरअविनासी॥ निराकारानिर्विकार

तुमघटघटकेबासी । सच्चिदानंदसबकालनाथ तुमहो सुखरासी ॥ घोसा ॥ धरूंमैंचरणकमलमेंध्यान । दीजै मुझेगुरूजीज्ञान ॥ औरनादुतियातुम्हेंसमान । तुमहीं होसाक्षातभगवान ॥ राखौंमैंपदपंकजकीयाद । कहते दुबेरामपरसाद ॥ भूतलरुचिरादिव्यदीपाहैवेदबिदित तीरथब्रह्मज्ञान । ताथलबिचरतशांतरूपश्रीब्रह्मचारीजी ब्रह्मसमान ॥ टेक ॥ दक्षिणउत्तरघेरकैवहतीपापहरनरे वाकीधार । ब्रह्मकुंडब्रह्मादिकहत्यादहनकरैभवभारप हार ॥ भीमकुंडमैहरैकरैमज्जनअर्जुनकोकुण्डनिहार । सुरजकुण्डहीकेतमनाशतशुभदीपाकष्यपआकार॥ दी पादीपज्ञानदीपनअतिनिरखभूमहोवेअघहान १ आ सनसुभगसोहैमृगछालातेहिपरराजैब्रह्मचारी ।तेजपुंज पदपद्मजिन्होंकेनखद्युतिअतिशोभाभारी ॥ रागरोगसे रहितसदाइन्द्रीजितहितचितअविकारी। समताभावस लिलचितमानौराजतहैतपतनधारी॥बिमलरूपविज्ञान अचलकामनाहीनहैंएकसमान २ करतेकरतेभजनतप स्याएकभावहोरहाअचल । षोड़शकलामनोशशिराजै हियेज्ञानवरतेजविमल ॥ इच्छानास्वप्नांतमेंजिनकेकर तलमध्यहैंचारोफल । मानहुंवाथलकलीनहींहैनिशि दिनहैसतयुगकेवल ॥ सोहतसुचबिख्यातसुजनजन वेदमूर्तीकरैंप्रमान ३ धन्यमतिउनपुरुषोंकीजोहैंतनमन सेउनकेदास । मोक्षमेंक्यासंदेहध्यानकरतेहीहोवैअघ दारुणनास ॥ कहैंरामप्रसादहमेंहैनिशिदिनवेचरणोंकी आस। धोयचरणचरणोदकपीतेममहियेमेंभाज्ञानप्रका स ॥ ब्रह्मरूपवेमैंमानुषतनकसकैवाछविकहूंबखान ४

प्रथमहीचरणपंद्रहवरणगिनकैगुनीसमभायदे।दुतिया चरणबिश्रामतीनपच्चीसअंकसुनायदे॥ यहिबिधिबिना केछंदतूमजालिसकेअंदरगायदे । कथकहैरामप्रसाद अपनीकाव्यतूंदरशायदे॥ घोसा ॥ पांचसोबीसवरण लाना।छंदपूराकरकेगाना॥ वोहीकविताचातुरदाना॥ रामपरसादकेमनमाना॥अगरऐसानछंदआवै।तूंमत दंगलमेंगावै ॥ श्यामलीसलोनीमूरतनागरनटकी । काननमेंकुण्डलपड़ेजड़ाऊशोभाजीमेंअटकीफिरतीभ-टकी॥ टेक ॥ नगजड़ेमुकुटशिरसोहैआलीआला।आ ननदेखमदनलाजैउरसोहैबाहुबिशालागरबनमाला ॥ बसकरनबजावैबंशीमेंनँदलाला।सातसुरनसुरतीनग्राम सेपढ़कैजादूडालाहरिगुनवाला॥आंखैंदेमारीनहींमान तहैहटकी।टरतनटारीइननैननसेभलकनपीरीपटकीमन मेंखटकी १ बहुरागरागिनीबजारहेबनमाली।कालँगड़ा कल्याणमधुरसुरदीपकऔबंगालीधुनिमतवाली॥ कहुं परजभभौटीटोड़ीराहनिकाली । देशतिलानाधुरपद गावतसोहनीश्रीभूपालीबजतनिराली ॥ बिसरायेना बिसरतवाछबिकटकी।किंकिणिचारुमोहैमनराखतछाया बंशीबटकीयमुनातटकी २ अबचलोजहांपरमोहनबीन बजावै । एकतोतनमनफँसाबीनमेंदूजेकामसतावैमत घबरावै ॥ यासमयसखीकोईहरिकोआनमिलावै।वा दिनवहीसँगातनमेरीजीकीतपनबुझावैबिपतनशावै॥ जबसेदेखीमैंजुलफगालपैलटकी।तबसेजीतरसैदरशन कोलज्जासारीसटकीमैंपरघटकी ३ तनमनसेमैंनँदनं दनजीकीदासी।कबैमिलेंदुखहरणहमारेमाधौजीसुख

रासीरहसबिलासी॥ कथदुबेरामपरसादलावनीखासी। ब्रजबासिनसुखदेतमुरारीबंशीसुनासुधासी बिपतबिनासी॥ कोटिकंजकबिश्यामबदनपैघटकी। बाबूजीनेकहातेरीदंगलमेंकलँगीझटकीमहिमेंपटकी ४॥ सखी॥ होवैनौढ़ाकीकछुजबपीवसोंपरतीतजी। बिस्रब्धनौढ़ासोकहावेयेकबिनकीरीतजी॥ चितमेंचहतकछुनकहतकछुभीतजी। कहेदुबेरामपरसादनारिबिस्रब्धनौढ़ानीतजी॥ अथछंदलक्षण॥ घोमा॥ धरौबसुभगनचरणप्रतिआन। कलागिनिबत्तिसचरणप्रमान॥ यकशतबरणछिहत्तरठान। छंदकेबरणदीर्घलेजान॥ तीनसौबावनह्रस्वबखान। पांचसौअट्ठाईसपहचान॥ हरफछंदमेंइतनेगिनठान। रामप्रसादकथगावै॥ छंदसोक्रीटकहलावै॥ अथकिरीटकोउदाहरण॥ रातजगेकरकेलिपगेदिनकोफिरलालनघातलगावत। कंकरमारतनैननटारतनेकनिहारतसैनचलावत॥ टेक॥ चातुरनारननेकनिहारचलीकुचभारछबीबरसावत। नैननकोकछूकरझोंकहँसीमनरोकललैतरसावत॥ कामकिपीरहियेबिचचीरगईहानितीररसैसरसावत। गैचितचोरतनाकसिकोरतगातमरोरतलैदरसावत॥ नैननफेरतनेकनहेरतलालचहैरतनारिनआवत १ नारिसुजानगईसबजानकरैनहिंकानकहीनटनागर। बोलतलालसुबैनबिशालपियासकराललगीयहिऔसर॥ औरअलीसमुझायभलीपहुंचायचलीजलदेसाखिकेकर। पैंजनिशोरबजेजबजोरचलीपतिओरबनीबनिताबर॥ नारिअधीरसुचौंखटतीरगईधरनीरचलीसुखपावत २ गैजबबालचलीततकालअबैनँदला

ललगेउरशोचन। कोबिनबामहरेदुखकामतमामबिथा तनकीकरिमोचन॥ नींदनआवतसेजनभावतधीरनलावतहैंरतिरोचन। लागिरहाचितनारिगईकितकीननमोहितदीखनलोचन॥ वोजबआवतिमैननशावतिकंठलगावतिशूलनशावत ३ रातगईचलआईनचंचलवारभयोफलराहनिहारत। छंदनयेकथिगावतहैगथिसागरसोमथिभेदविचारत॥ भोरभयोजबजागपरेसबलालबधूतबनाहिंबिसारत। बाजतचंगसभासबदंगउमंगतअंगसुछंदसचारत॥ भूंठनजानकवीमतठानकहापदमानदुवेकथगावत ४ सवी॥जेहिनारिकेतनहोतहैलाजोमनोजसमानजी। तासोंकहतमध्यासबैकबिताजोहैंगुणवानजी॥ रसराजऔरसिकप्रियामतदेखभाषाज्ञानजी। कहेंदुबेरामप्रसादमध्यानायकायहिजानजी॥ अथछंदमत्तगयंदको भेद॥ दोहा॥ भगनआवेइसछंदमेंसात। चरणप्रतियुगदीरघदरसात॥ पांचसौछहधरुबरणसुहात। इसकोसमझेकबिताज्ञात॥ छंदयेमस्तगयंदबिशाल। कहारसयुतकथमीठीचाल॥ मस्तगयंदकोउदाहरण॥ चित्रबिलोकतहीबनितालखिलालनआननकीछबिभारी। कोटिनचंदनहींसमतामुखसोनिरखैहरखैहियनारी॥टेक॥ चूमतगालकपोलचुमावतमोदभरीपुनिकंठलगाकै। लायरहीधरिलोउरमेंकबहूंसकुचैहँसिनैननचाकै॥ जोरउरोजनभारकबौंकरकैहरकैमदकैबसआकै। तूंरतिअंगअनंगभरीनहिंबोलतलालरहेमुरझाकै॥ औरनथीइतहूंउतहूंसखिदेखरहीपियकोमुखवारी १ ताहिसमयवहिधामअचानकआनपरेसजनीनँदलाला। देखतहीहरषेहियमेंगहि

बालकिलालनबांहबिशाला॥जोरगहीवहमौनरहीनहिं
बातकहीसकुचीउरवाला।कोबरनेछबिवाउनकीमहिता
करहीयुवतीवहआला॥लाजभरीनहिंबोलसकीठगसी
रहिमानहुंहंसकुमारी २ खोदनलागिमहीनखसोंउरला
जभरीनहिंनैनउठावे।मूलबरौनिनिनकेछुइकैयुगनैनफिरै
हियमेंसकुचावै॥ बोलनचाहतबोलिनआवतकंठहिये
लगिबैनफिरावै।मूरतसीबनिकैबनितारहिबैठकछूनहिं
अंगहिलावै॥बांहगहेनहिंबोलतडोलतदेखरहेछबिवा
गिरिधारी ३ नारिगईसकुचायहियेइतहूंउतहूंताकतना
हिंनवेली।देखतलालदशातेहिबालकिआपगहेकरनारि
अकेली॥भाषतछंदअनंदहुबेसमलाजहुकामवसीअल
बेली।जातनहींकहितासुदशाजहँवाललनानहिंऔरस
हेली॥जोकथिकैअसछंदकहैकविताकहियेतिनकोगुन
कारी४सबो॥निजपतिसोंरसकेलिमेंजोबालअतिपरबीन
है।तासोंकहैंप्रौढ़ात्रियाकविराजजोरसलीनहै॥येभेद
जानैंवेगुणीजिनकविनकेसँगकीनहै।कहतेहैंरामप्रसाद
तूतोमूढ़मतिकाहीनहै॥ चौपा॥ जगनप्रतिचरणमेंआवैं
चार।तहांधरद्वादशबरणबिचार॥दीर्घअट्ठासीहरफ़
निहार।तीनसेबावनकलासंवार॥ एकसौबरणछिहत्तर
धार।ह्रस्वहैंयेगिनबारंबार॥दोसौचौंसठवरणललाम।
छंदजबहोवैमोतीदाम॥ चौकप्रतिदोहाकाबिश्राम।
बनावैगिनकैकलातमाम॥ मोतीदामकोउदाहरण॥ पगीप
तिनेहलगीउरबाम।करैरसकेलिसुनारिललाम॥ टेक॥
परीचपलासमचातुरनारि।मनोबहुकेलिकलानउघारि॥
रचीअतिकोककलाचितधारि। कबौंमुखचूमतनैननि

हारि ॥ दोहा ॥ कटिनितम्बऊंचेकरत त्योंत्योंरसउमड़
त। कबहूँमुखलखिलालको मदनभरीमुसक्यात ॥ उभै
सुखलूटतहाबशकाम १ गलेलगिझूमतकेलितरंग ।
उरोजहियेमसकैंगहिअंग॥भरैसिसकीअतिमोदउमंग।
रहातनमेंअतिपूरअनंग ॥ दोहा ॥ रतिसुखलूटतपीवसँ
ग हरषिरंगीलीबाल । जोरकरतलपटतहिये उरहर
षतनँदलाल॥बजैपगपैंजनिबाछबिधाम । करैसुख० २
करेपियकेअधरोरसपान।रहीउरमेंलगिनारिसुजान॥झु
कैकटिझोंकनहींसुखमान। नवैजिमिनैमुलतानकमान॥
दोहा॥मैनद्रवतलपटतखरी अरेअरेकहिबैन। पीउरलप
टीसुखभरी रहीमूंददोनैन ॥ कहैसुखको कविसो विश्रा
म । करैरसकेलिसुनारिललाम ३ यहीसुखबीतगई
सबरात । लखापतिकोढिगसेजबजात ॥ रहीलपटी
युवतीपतिगात । नछोंड़तकण्ठघनीललचात । दोहा ॥
जानेपतिकोदेतना कहतीनाकुछबैन। दुबेरामपरसादसों
कहैअभीहैरैन ॥ अबैलखलालनिशायकयाम। करैरस
केलिसुनारिललाम ४ करभजनसकलतजनररटहरह
रमनधर।धरनलहरपदअघहरनतरतजनबनकर॥करब
रजसबरणनजगतभरमसबतजनल । नलअगमबहत
जगजलधतरसकबकरबल ॥ बलकरतबहतगतलहत
कहतसबतजछल।छलतजतअचलपदलहतदहतसब
कलमल ॥ मलसकलदहतहरकहतडरतजगयमक
र १ करमसकलभलजगतबनजबहरजन। जनम
तनलकबहरभवनगवनबनहरगन ॥ गनजमडरपतल
खभसमलगतजबनरतनमन । हरहरहरकहतरहतन

लधनधन। धनसकलबढ़तजसरटतरहतअसमनकर२
करअचलभवनबसगहतनजगतवतननर । नरतजत
नलहगतअमरसरसबसहरघर ॥ घरबनसबसमतन
अमलभजनबलअघजर । जरजमतजमतलखदरस
तभजनअमरबर ॥ बरसतरसतबलखअलखअजर
पदरतकर ३ करहतनसकलमलसपनसरसनललख
जग। जगमगतचरणहरसब्रतजकरमनअबलग॥ लग
सरनकमलपद गहकरतजअबखलमग । मगअ
सलगहतगतलहतअचलखलगनठग ॥ ठगपनत
जभजहरभनतचतरहरधनकर ४ प्रौढ़ामध्यामानमें
येतीनभांतिसोजानिये । धीराअधीरानायकाधीराओ
धीरामानिये ॥ यहिभांतिरामप्रसादभाषतकाव्यमतप
हिंचानिये। रसराजऔररसिकप्रियाकुछछन्दभेदाहिआ
निये ॥ १ घोसा ॥ चरणप्रतिचारसगनआवै। तेहीकिबि
जनत्रोटकगावै ॥ बरणदोसौचौंसठलावै । दीर्घअट्ठा
सीदरशावै॥ एकसौहृस्वछिहत्तरजान। रामप्रसादकुबे
काज्ञान ॥ दोहा ॥ कररचनाजोबैनमेंकोयजनावैनार।
मध्याधीराकहतहैं कबितातााहिबिचार ॥ छंदतोटक ॥
तुमकोहमदोषकहांधरिये। निजभागनसेदुखमेंमरिये।
तुमआवततेलगिकामगयो । यहितेतुमऔरनधाम
गयो ॥ रजनीबितईवडभेरभयो। यहसांचनहींमिस
लाललयो ॥ हमबोलतमेंतुमसेडरिये १ हमतेतुमझूठ
नहींकहते। चिततेहमकोबहुतेचहते ॥ बिनकामनहीं
कतहूंतरते। करऔरनकोतुमनागहते ॥ रौरेसमता
कसकैकरिये २ हमभोगनकामवृथाअसकै। बिधना

यहिभाललिखीजसकै ॥ तुमकोहमदोषधरैंकसकै ।
नाहिंआयहुकामबिषेकसकै ॥ यहभागलिखीकिनसेल
रिये ३ हमरेहितसेसबरातजगे । अलसातललामम
नेहपगे ॥ हमहींबिनरातननैनलगे । कसकैहितमेंयुग
नैनरंगे ॥ दिनरातदुबेहितमेंसरिये ४ ॥ सखी ॥ कहे
बैनरोषसमेतजोत्रियकंथसोतेगुणगहो । मध्याऔ
धीराजानयुवती लखहियेकविजनकहो ॥ यहिभांति
रामप्रसादइनकेभेदसबचितमेंगहो। यहछंदसीखोरसि
कजनजोनायकाजानाचहो १ ॥ घोसा ॥ एकसौसगन
छिहत्तरआन। इससेतूदुमिलाछंदपहचान॥ वरणप्रति
चरणमेंचौबीसआन । आठहैदीर्घइसमेंपरमान॥ षोड़
शवरणह्रस्वआवै । रामप्रसाददुबेगावै ॥तुमकोबरजै
अबकौनकहो। जितहीतितहीतुमलालचहो ॥ अबना
करियेहरिलाखनसौंहचलोउतहीजितरातरहे ॥ टेक ॥
हमकोनहिंभावतनेकललाहँसिबोरसकीकरिबोबतियां।
मतछेंड़हरीहमकोसुनलेसबजानतमैंचितकीघतियां ॥
तुमजाकरवाढिगकेलिकरोजिनकेसंगमेंबितईरतियां ।
बिनतीउनसेकरियेहँसिकेजिनकीतुमरातलगेछतियां॥
उनकेतुमजायगहोपगकोजिनकेकुचरातनिशंकगहे १
जिनकेरसमेंतुमलालरहेसगरीनिशिअंकलगायजगे ।
मुखचूमतअंजनदागलगेअलसातखरेजनुनैनरंगे ॥
जिनकेबशभूलगयेहमकोउनसेंकरिकेलिहियेउमगे ।
कुछकामनहींहमरेढिगहैतुमजाहुललाजिननेहपगे ॥
अबजाहुतहीं जिनकीछतियांलगिसोवतलालअनंदल
हे २ दुखदेहुनसोवनदेहुललामतछेंड़कहीममानहरी॥

हमरोनाहिंमानरहोतनकौ नमनावहुमोहिंघरीसुघरी ।
जिनकेकरबेंचदियोमनकोसगरीरजनीरसकेलिकरी ॥
अबजाहुमनावनवोहिललाहममानबिनावहमानभरी ।
हमसेमतबोलललासुनियोभलनाहिंबिचारिहुदेतकहे३
मनसेअसकैमनमोहनलालनहींसमझीतुमकोअसकै ।
अबमानहुनातुमलाखकहोतुमजाववहींजिनलौबसकै॥
यहभाललखेळबिजावककीअधरौकजराछपिहैकसकै ।
मनजारनकाजसुनावतहोमनमोहनयेबतियांहसकै ॥
तुमलाखकहोनहिंमानहुलालदुबेबनितारहिटेकगहे४॥
होरी ॥ आजमोहनखेलेहोरीसंगसखियांराधागोरी ।
बाजैबंशीऔरमृदंग झांझमंजीरामोहचंगबरसेचोवारो
री ॥ रंगरंगसेकीन्हेलालेअंगलियेगुलालभरेझोरी ।
तरुणबनिताबारीभोरी १ साथराधाकेहैंगीवामलन्हि
सखासाथमेंश्यामगातेफागहैंलैलैनामहोरी। मचीनंद
केधामश्यामजीवकैंघनीगारीनाचतेहरिदैदैतारी २ ता
सासहनाईकीसाजधौंसाघंटारहाहैगाज आलीरीगावै
ब्रजराजहोरी। खेलेलियेसमाजसांवलीसूरतहैप्यारी ॥
बजावतहैवंशीन्यारी ३ दुबेनेख्यालयेगायाहै । छंदये
नयासुनायाहै ॥ अनंदीकेमनभायाहै । चंगचौताल
बजायाहै॥देखकेसुखपावैनारी।फागवृंदाबनमेंजारी ४॥
कर्पूरांगंकरुणाभवनंजटाविशालंधृतंफणीशं । डमरूह
स्तंगजचर्मांबरभवनंमस्तेगिरिजाधीशं टेक।कोटिप्रभाक
रतरुणंतेजंभस्मांगवरंहैअस्त्रत्रिशूलं।शुभांगेवरगंधंलेपं
चिदानंदशिवत्रिभुवनमूलं॥ अछैअनादिंनिर्वाणरूपंन
यस्यव्याप्तंसुखंनशूलं । अजंअखंडंशिवअविकारंस्व

तंत्रव्याघ्रंछालदुकूलं ॥ सेव्यतिपदांबुजानित्यंशुचि ब्रह्मादिकसुरमुनिईशं १ त्वंवृषआटनत्वंवृषभध्वजत्वं पंचाननत्वांकृपालं । त्वंगंगाधरनीलग्रीवंत्वंसुखमासी नंउरमुंडमालं ॥ त्वंकरतारंत्वंभरतारंत्वंहरतारंकरा लकालं । नाशअमंगलआलयमंगलअनंगदहंनंजन प्रणपालं ॥ भवंदयालंकृतअल्पयोगे गिरिजाकांतं धृतरजनीशः २ एकोशिवनास्तिद्वितीयो अलख अभेदंभवसुखरासी । शिवंत्रैगुणंत्रिगुणाकारंविश्वव्या पकंअजअविनासी ॥ प्रभाअनूपंदेवस्यदेवंजगज्जनकं श्मशानवासी । सदृस्यकुंभंअनेकतोयं युतरविसमत्वं सर्वप्रकासी॥ अनाथनाथंत्वंभूतनाथंचरणपतालंस्वर्ग स्यशीशं ३ अनंतरूपंअनंतनामं अलखअनामयत्वं सर्वत्रं । त्वंत्रिपुरारीभवभैहारीअरुणजलजसमशुभत्रै नेत्रं । शीघ्रप्रसीदंशिवकरुणाकरतुमस्यअर्पण पुष्पं पत्रं । दायकमोक्षाविभवआलै त्वंसत्यंजपाशिवाशिवमं त्रं ॥ रामप्रसादपदांबुजरेणू इच्छानित्यंहेजगदीशं४ ॥
चंपेयंवरणंकपूरगौरार्धशरीरकायादिव्यंस्वरूपं । धम्मिल्ल यकेस्यैइचजटाधरायनमामिशंकरप्रभाअनूपं ॥ टेक ॥
मंदारमालाकुलितालकायशुभांगअर्धांगकपालमालां। दिव्यांबरायैचादिगंबरायअनूपरूपायाशिवंकृपालं ॥ प्र फुल्लनीलोत्पलस्यलोचनंविकासपंकेरुहंविशालं। सत कुण्डलायफणिकुण्डलायप्रसन्नबदनांत्वंत्रिकालं॥ अं भोधराभाव्यलकुन्तलायतडितप्रभापिंगजटानिरूपं १ जगज्जनन्यैजगदेकापित्रेचलतध्वनत्कंकणनूपुराय ।क स्तूरिकाकुंकुमचर्चितायचितारजःचर्चितपंजराय ॥ दि

ठ्यांगदायभुजंगागदायप्रचंडरूपायगंगाधराय। सदा शिवायाशिवदायकायसदासुखायत्वभवंहराय॥ त्रैलोक्य मूलायकृतोध्यमायविनाशनायचभवस्यकूपं २ कैलास वासंदेवस्यदेवायनृत्यंकरायचत्रैलोक्यसारं। अनाथ नाथंभूतादिनाथंनमामीशमीसांकरुणावतारं॥ अखण्डं अनादिंअक्षैअभेदंत्वंविश्वनाथंचत्वंनिर्विकारं। निर्बाण शांभोनचपुण्यपापंशिवायुतंत्वंइच्छाबिहारं॥ त्रैगुणस्व रूपंसर्वांगदिब्यंनमोनमस्तेवेदस्यरूपं ३ त्वांपदांबुज धृतंचचित्तंरिसालगिरलभतंकैलाशंविनाशं। कृतआ वागमनसुचभवंतितस्यब्रह्मप्रकाशं॥ भजंतिनित्यंसभ क्तियुक्तंतेधन्यपुरुषंज्ञानांनिवासं। प्रसिद्धनाथंकरुणाय भवनंरामप्रसादंत्वमस्यदासं॥ गजानन्ददुर्गाप्रसाद द्विजकृत्वाअर्पणदीपंधूपं ४ हरहरनसकलभवभरमअ लखलखमनधर। धरशरनलगनकरतनमनभजनरहर हर॥ टेक॥ हरकहतदहतअघसकलकहतअसनरबर। बरबसनसनरचलअमरनगरअबचलकर॥ करलगन चरनतजसकलजगतछलबरनर। नरतनधरअबकस भरमतखललखघरघर॥ घरलहतसकलफलपदरज गहजगतनधर १ हरछनपलजनजसरटतकटतसबयम डर। डरमतकरअबभजचरनहरनकलमलसर॥ सर चलततरसलखमरनजनमअबजगपर। परभरमबहत जलपतजड़मदबशअसखर॥ खरसमनरजबतजभज नचलतमगपदधर २ हरपतजनतनमनचरनकमलध रकरमन। मनलगतभगतअघसकलअधकझलकत तन॥ तनघटतरटनकरहरहरहरहरदमजन। जनमत

जगमरमरअवकरतनमनअरपन॥ पनचलतसकलअ
वबचनसकलतजमनधर ३ हरछनपलभरमततजभज
नरवरपदअब। अबभटकतकसघटघटपरघटबरनतक
ब॥ कबअलगरहतहरदमकरबसतनमनसब। सबरट
तरहतजसनरबरकरबरननछब॥छबअलखलखतगत
लहतभजतअसपदधर ४ घरघरनलखनजबगरजतत
रजतबलकर। करसमरजलघटतखलनहततघरधनस
र॥टेक॥धरनधसतजबचलतमगनमनकपदल।दलम
लतखलनधरपटकतझटपटकरबल॥बलहतनसकल
खलगनडरपतलखरनथल।थलथलवरसतसरलड़त
सकलखलकरछल॥छलबलदरशततनतजतसकल
भटरनकर १ धरधरधरधरसबकरतलड़तहरषतभ
ट।भटकतभटतनकनमरतकरतरनझटपट॥ पटकत
पदधरधरधरनउपरभटतनकट। कटकटकरपदतनझ
रतरकतभटउरफट॥ फटकतखलगनकटमरतलहतग
ततरकर २ धरतरवरकपकरमरदतखलदलभटबर।
बरसतजलसमसररनलखहरषअमरहर। हरकरपद
सरहनगतखलतनतजयमघर। घरअमरनगरखल
करतसमरकरतमचर। चरअचरलहतगतरटयशमन
पदगहकर ३ धरशरनसकलभवहरनमननकरलछमन।
मनधरतसकलखलडरतबढ़तयशजगधन॥ धनधनन
रपदरजगहतभजतलछमनजन। जननगननगपदधर
तकथतपदअसठन॥ ठनकतडफनरवरकहतधरनअस
कथकर ४ करअलखअलखयशरटनजगतनरतनधर।
धरशरनचरनगतलहतअजरहरकहकर॥ टेक॥ कर

यतनसकललखछनछनकटतनहकनल। नलहरहरकर अघहरनशरनधरतजळल॥ छलसकलजगतरसलख खलधनघरतजचल। चलअसलडगरधरडरतरहतक सअसखल॥ खलसहतरहततनदरदसकलघरधनध र १ करचलयशजगगतअटललहतलखहरजन। ज नशरनगहतअघजगतसकलहररटहन॥ हनखलगन दलधनशरधरकरअसकररन। रनकरतडरतखलजरत सकललखअघगन॥ गनकहतदहतनरसकलदरदक रशरधर २ करकरनरहरयशरटनलगनकरछनछन। छनछनलखनरतनघटतचलतलखजरतन॥ तनअस लअजरलखरचतरहतधरखलजन। जनतजतसकल लखदरदसदनधरहरधन॥ धनसकलकहतनरचरनश रनगतरतधर ३ करयतनरतनधरतसकरलहतनरख अस। असरखतनसतजगकलकलतसकरलहकस॥ कसकनकसरसलखरतनजड़तयहहरजस। जसरटत अटलगतलहतछकतहरहररस॥ रसकसहरजसअस अलखचरनगततनधर ४॥ रसखानिछन्द॥ कहिबचन पियसोंजोजनावतरोषकछुतेहिजानिये। मध्याअधीरा धीरहैयहनायकापहिंचानिये॥ कहदुबेरामप्रसादअब यहिभांतिछन्दबखानिये। कविजनचतुरयहिछन्दको रसखानिजीमेंमानिये॥ धोमा॥ सगनप्रतिचरणचारआ वै। द्वादशबरणगिनेजावै॥ चारदीरघकविजनलावै। ह्रस्वधरआठछन्दगावै॥ रामप्रसादनेकियाबखान। छ न्दइसकोतूत्रोटकजान॥ छन्द त्रोटक॥ बनितैलखिलाल नशोचभरी। सकुचैमनपूछतबातहरी॥ टेक॥ कसभा

मिनिभूषणदूरकरैं।युगनैनमनोकछुरोषभरे॥तुमबोलत नाकसमौनधरे। शुभकेशकपोलनपैबिथरे॥कसनाहिं बिलोकतयादिसरी१हमतोतुमकोकछुनाहिंकहा।तुमतौ मनमेंकछुमानगहा॥हमरेचितमेंअसशोचमहा।लखि कैतुमकानहिंधीररहा॥पलकीसमबीततमोहिंघरी२कहि बालहमैंदुखकौनभला॥तुमसेमनभावनजाहुलला॥कहि बैनरुषासधरैंअबला। जनुसोहतदेहधरेकमला॥ बति यांकहतीनिठुरासखरी३बनितैअसपीसनबैनकहे। बच नोरिसअंतसनेहगहे॥ तरुणीमुखलालबिलोकिरहे। रतिकेहितलालहियेउमहे॥रसखानदुबेकथनीसगरी४ सखी॥प्रथमैसगनयुगभगनअंतहिजगनधरहुसुधारकै। द्वादशबरणप्रतिचरणमेंधरुबेददीर्घसमारकै॥प्रतिचर णमेंबसलघुधरुकाव्यग्रंथबिचारकै। यहुछंदप्रतिभ्कटि काकहावतदेखनयननिहारकै॥ चौपा॥ दोसौचौसठ बरणसुजान।छंदमेंगिनतीकरकेआन॥ दीर्घअट्ठासी बरणप्रमान। एकसौछीहत्तरलघुमान॥वरणइतनोजिस मेंआवै। छंदप्रज्भ्कटिकाकविगावै॥ होरी॥ सखिलैखेल तहैंबिमलफाग। सबगावैंमिलकेसरसराग॥ टेक॥ कहुं बाजेमुरलीमधुरताल। तबलामोहरढोलकबिशाल॥ घुं घुरूकीगतनाचतरसाल। गिरिधारीसंगमेंसकलबाल॥ लखहोरीउठतामदनजाग १ कहुंतासातुरहीजलतरंग। सहनाईचुटकीगतिउमंग॥ फिरकैतालनपैचढ़तभंग। करडालेसबकेअरुणअंग॥ बनसोहैजनुहैअमरबाग२ सखिधावैकरमेंभरअबीर। मलकैगालनकैतरसुचीर॥ पिचकारीचलतीअतिगंभीर॥ भुकभूमैकिलकैकुलि

अहीर। निरखैवाछबिगौभरमभाग ३ गुणगावैशिव
जीसकलवेद। नहिंपावैजिनकाकबहुंभेद॥ सपनेमें
कछुनाहरषखेद। द्विजतूतजभैचरणोंमेंलाग ४ प्रति
चरणमेंइकइसबरणगिनिकैगुणीजनलाइये। चारसौ
बासठबरणसबछंदमेंदरशाइये॥ प्रतिचौकपरधरियुग
लभेलादशबरणसमभाइये। कहदुबेरामप्रसादयहि
बिधिछंदकथिकैगाइये॥ धौसा ॥ भोरभयेबोलनलागे
काग। लोगसबउठेनगरकेजाग॥ ध्यानभक्तोंकाहरिसे
लाग। चलेकलँगीवालेसबभाग॥ ख्यालप्रभाती ॥ कर
जोरेगिरिजाजीकहतीजागपड़ेसबयोगयती। त्रिभुवन
केशिरताजश्रीमहाराजजागकैलासपती॥ टेक ॥ दीपक
हुयेमलीनप्रातभाअरुणशिखालागेबोलन। तेजमंद
भाचंद्रवंदगौवनसबैलागेखोलन॥ बाटमेंचलनेलगे
बटोईवनमेंखगलागेबोलन। सूरजकीन्हप्रकासजगेहैं
दासपवनलागेडोलन॥ भेला ॥ जागोजीजागोअबिना
सी। भोरहोगयोरजनीनासी॥ मैंतुम्हरेचरणनकी
दासी। खड़ीकहैअसपारबती १ प्राणनाथमुखधोवहु
उठिकैकंचनझारीनीरभरी। भसमचढ़ावहुअंगभंग
पीनेकोघुटीतयारधरी॥ ब्रह्मलोगचतुराननजागेअमरा
पुरमेंजागेहरी। ध्यावैंतुम्हैंमुनीशचराचरईशनींदतुम्हैं
आईखरी॥ भेला ॥ फूलेकमलछुपेहैंतारे। कागबोलते
प्रीतमप्यारे॥ जागपड़ेहैंगणतुम्हारे। निजपातिसेवन
लागीसती २ भवँरकरैंगुञ्जारफूलोंपैभरनचलींबनिता
पानी। बालब्रह्मारैधामकामारिपुअबतुमसोवहुक्यों
दानी॥ गंध्रपकरतेगानतुम्हारायशबरणैंमधुरीबानी।

प्राणनाथममनाथसच्चिदानंदउठोअवघड़दानी॥ झेला॥
उठोनाथजीमञ्जनकीजै। दासोंकाजैदर्शनदीजै॥ बरदे
केस्वामीयशलीजै॥ जागउठहुअबप्राणपती३जागेशं
भुत्रिभुवनकेदाताजैजैजैसुरलागेकरन।करकपालमुंडन
किमालअरुशीशचंद्रमागोरबरन॥बाघम्बरपरआसन
कीन्हेडमरूबाजैबिमलकरन। कहतेरामप्रसादशंभुहो
यादराखियेमोहिंशरन॥ झेला॥ धन्नालालगजाननगा
वै।खेतसिंहलैचंगबजावै॥ बिनैनरायणसिंहसुनावै। ग
णेशचाहतशुद्धमती ४भोरभयोपहफाटनलागेजागपरे
सबनरनारी।जागहुहरिसुखधामश्रीघनश्यामकहैराधा
प्यारी॥टेक॥अरुणशिखोंनेशोरमचायाचकहीपीकोमि
लनचली। भौंराकरतेशोरओरचहुंफूलीसरमेंकमलक
ली॥चिरईचुहचुहकरैधाममेंलगेबटोहीचलैगली।सखा
उठेसबजागबोलतेकागकहैवृषभानलली॥ झेला॥जागो
जीजागोयदुनन्दन।जागेदासकरैंहैंबन्दन॥जागोस्वाभी
कंसनिकन्दन।सुरनरमुनिकेहितकारी१जगेसकलसाधू
संन्यासीहरिजनलागेध्यानकरन। आदितकीनप्रकाशरै
नकानाशमन्दभैचन्दकिरन॥ लैलैघड़ागईसखियांसब
यमुनाजीकोनीरभरन। जागींब्रजकीबामसबैनिजधाम
कामकोलगींकरन॥ झेला॥ भानुउदैभैछिपगेतारे जागो
जीमनमोहनप्यारे॥ तुम्हेंपुकारैंसखातुम्हारे। बेगिउ
ठहुगिरिवरधारी २ उठिमुखधोवहुनन्दलालजीभ
राधराझारीमेंजल। जागोजीमहराजलखैंब्रजराजभानु
आयेहैंनिकल॥ बन्दीविरदावलिउच्चारैंब्राह्मणपढ़ते
वेदविमल। बाजैतालविशालद्वारपैगन्ध्रबकरतेगानस

कल॥ झेला॥ टेरगयेबलदाऊभ्राता॥नन्दपिताजीयशुदा माता॥जागौंजीत्रिभुवनकेदाता।गउवैंचलींबनकोसा री ३ मुखधोवहुअबजाहुदुवारे साधूजनदरशनपा वैं।देखितुम्हारीप्रभासभायुतनन्दबबामनहरषावैं॥रा मप्रसाददुबेनिशिबासरनाथतुम्हारेपदध्यावैं। देहुअ भैबरदानदासनिजजानतुम्हारेगुणगावैं॥ झेला॥ मुंशी मनसुखलालागाते।खेतसिंहचँगकोखड़काते॥नराय णसिंहनामैगति।दयालरहतेबनवारी॥४॥ सखी॥कु छबिचारगनकानहीं यहिछन्दलक्षणजानिये॥ दिगपा लबेदप्रमाण अक्षरप्रतिचरणमेंठानिये। आवैसोरठा चारजिसमेंमध्यछन्दकेजानिये। यहिभांतिरामप्रसाद भाषतछन्दविद्यामानिये॥ चौसा।चारसौंअठतालिसध रध्यान।बरणसबछन्दकेयेपरमान॥सोरठाचारमध्य मेंआन।येविद्याछन्दहैंकहाबखान॥रामपरसादनेकथ गाया।हरिकेचरणोंमेंचितलाया॥

सोरठा सोरठा सोरठा सोरठा

भ ली ब नी है ब्र ज प ति प्र भा तु म्हा री
ज ब हिं ल खी दृ ग सों मैं थ की बि चा री टेक
ले ता जी ज ब से मा र त मै न क सा ई
ना ये ट ल ती है ता नै जो भ ल जो गा ई
म कु ट ज डा ऊ सु भ ग जो ति है छा ई
म न में सा जै ल ख मा ला ग ले सु हा ई
हे आ ज गा त दे खा शु भ ने क मु रा री १
श ब गा त ज लै नि द्रा नि श मे ना आ वे

उ र आ ग ल गी आ वै वै जो र ज ना वै
न व वृ न्दा व न दि ल ते दा ह मि टा वै
सा स आ प दु इ जो र वो ता क ल गा वै
दा ह प द्म ही र ति प ति स र सै भा री २
नी र लै धा व त है ह रि ब न मे आ कै
आ स क रे उ म गी अ ति सु ख मै पा कै
न वा ने ह बा ढ़ा र ति दु ख हि न सा कै
को कै से री य हु सु ख स के आ ली गा कै
गा व हु को म ल ता न सु धा सु ख सा री ३
व ना ठा ठ दी प क औ य म न वे गा ली
त न म न से ह रि जी चा है वो भो पा ली
शा रँ ग का सु र ये भै रों ते ज वि शा ली
र स धा म श्री प द हे ब्र ज रा जा ख्या ली
द र सै मा धौं जी या बि ध सु र वै रा री ४
शे श ल जा वै अ भ र न वे न नि हा रे
श ब गा त ल खै बा ला ब श में जी वा रे
ता न ह दे ठ नि नि ह चै ता म हँ प्या रे
हि उ त ख ग बा जै बे न के शो भा धा रे
तू तौं ले त क ये का न्ह की तू अ ति था री ५
क थ ऐ शो इ भा री छं द ज बे जी भा वै
स बै स भा सु ख मा नै य स द्वि ज गा वै
ना म न रा य ण या तु भ को फ र मा वै
भ ग जा म त चा तु र तै र मा से गा वै
जै ह रि की म ति ही न र टै सु ख का री ६

मुनिभगनगिनिकैधरोगुरुएकलघुपुनिजानिये। यहछंद
कहतचकोरशुचिकबिजनइसेपाहिंचानिये॥ कहतेहैंराम
प्रसादपिंगलकामतालखिठानिये।यहकाव्यहैआनंददा
यकदुःखनाशनमानिये॥ घोसा ॥ प्रतिचरणतेइसबरण
बिशाल। आठहैंदीरघततकाल॥ पंद्रहबरणह्रस्वशुभ
चाल। धौसागातेमोहनलाल॥ चकोरछंद ॥ हैशशिभा
लबिशालरसालकपालकिमाललसैशिरगंग। गानमुनी
शकहैसुरईशफणीशगिरीशसुताअरधंग॥ टेक॥ आदि
अनंतकहैश्रुतिसंतकवीशभनंतअनंतपुरार। एकअखं
डसबैब्रह्मण्डनिहारअडंडशिवैचितधार॥ गावतबेदन
पावतभेदअभेदअखेदसदानिरधार।शांबसुजानसदासु
खखानपुरानकहैगिरिजापतिसार॥गातअनूपसदाशिव
रूपचराचरभूपपियैबिषभंग १ तीनसुनैनमनोहरबैनन
शावनमैनमहाबलधाम।हौंकरतारसदाभरतारअपारपु
रारसदानिष्काम॥बासमशानछबीबहुभानसदारतगान
अनेकननाम। हैभवनाथकमंडलहाथअनाथसनाखल
हैबिसराम॥ शीलअगारदहैभवभारचितारचिछारच
ढ़ीनितअंग२लैतिरशूलनशावनशूलसदातुममूलअछे
महराज। राजतशैलचढ़ेतुमबैलनशैलरहेसबठामविरा
ज॥ हौंरणधीरगँभीरसबैगुणभीरहरौजनकेकरिकाज।
केहरिछालबिछीसबकालकरालदयालकिभूतसमाज॥
गौरसुहावनहैतनपावनपापनशावनहैगनसंग ३ राम
प्रसादकरैपदयादमहेशअनादकरौउरवास। आठहुया
मजपैशिवनाममिलैसुरधाममकहैभवफास॥ शंकरबंदअ
नंदरहैमतिमंदनफंदपरैकहुआस। जीवतचैनलहैदिन

रैनकरैसुखसैनसबैदुखनास ॥ मोहनलालकहैततकाल बजाशँभुतालसभाबिचचंग ४ डारिलछंद ॥ सखी ॥ प्रथम छंदकिजातदंगलबीचमोहिंबताइये । फेरपाछेख्याल ह्यांपरशायरीकरगाइये ॥ बरणीकयामात्रिकहैक्यानाम छंदबताइये। कहैदुबेरामप्रसादपाछेचंगआपबजाइये॥ घोषा ॥ चरणप्रतिसोलहकलाआवै । पिंगलनागयेफर मावै ॥ रामप्रसाददुबेगावै । छंदयहुडारिलदरशावै ॥ तीनसौबावनकलासुजान। देखपिंगलधरछंदमेंआन॥ छन्द डारिल ॥ तरसतनैनाबिनामुरारी। डरपैजीलखिनिशि अँधियारी ॥ टेक ॥ कोयलकूकतहैदइमारी। पावसदेत हमैंदुखभारी ॥ नंदनंदनेसुरतिबिसारी । किनसौतननें जादूडारी ॥ बिनमाधौहमबहुतदुखारी १ हैकोऊब्रजमें हितकारी । दूरकरैयाबिपतहमारी ॥ मारैपपिहैपंखउ खारी । बोलसुनैनाबिरहिननारी ॥ कपटीनिकरेस खीबिहारी २ क्षणआंगनऔक्षणकअटारी । जीडर पैलखिसघनघटारी ॥ नहिंभावैदामिनीछटारी । उर कसकतहैकामकटारी ॥ बिनहरिकेयहहोतदशारी ३ तलफतहैवृषभानदुलारी । चहुंदिशिबरसतवारिनि हारी ॥ अबदरशनदीजैगिरिधारी । कहैरामपरसाद पुकारी ॥ कबसमभैयहकथनअनारी ४॥ सखी ॥ नगन आवहिंतिनिछंदमेंलघुअंतदीरघमानिले। ग्यारहवरण प्रतिचरणमेंयहछंदभेदहिजानिले ॥ नहिंहोयतुभमेंज्ञा नतौपिंगलमतेकोछानिले । कहतेहैंरामप्रसादयहकथ नीसरसपहिंचानिले॥घोषा॥ दोसौबरणबयालिसजान। देखइसछंदमेंकहेबखान॥ रामपरसाददुबेकाज्ञान।कहा

जोपिंगलनागसुजान ॥ छंदयहुदमनककहलावे। भेद
बिरलाइसकापावे॥ बरसतजलबहतगली ।तलफतल
खसकलअली ॥ टेक ॥ डरपतमनचढ़तअटा । लख
सरसतसघनघटा ॥ जलछहरतबढ़तछटा । नदसरज
लअधकपटा ॥ हमकहँयहसवतिखली १ तनमनसब
मदनदहे । तनठहरतअवधलहे ॥ सवतिनघरसजनर
हे। हमसबतनदरददहें ॥ अबसरसतमदनबली २
तलफतसबकटतघरी । यहगतिसबमदनकरी॥ हरदम
हमरटतहरी ।घनगरजतदहतखरी॥ हमसबतनभसम
मली ३ तलफतमदबशअबला । जवचमकतल
खिचपला ॥ दमनकपदकहतभला। गनसबलखबरन
कला ॥ कबकथमनसुखसरली ४ ॥ सखी ॥ रगनप्रथ
महिफिरसगनपुनितासुआगेयुगजंगन। फिरतासुआगे
धरिभगनअंतैरगनधरहोमगन ॥ मतिमन्दकोकुछकाम
नाइसकाव्यकोसमभैसुजन । कहतेहैंरामप्रसादगनतू
मत्तऔरपूरेबरन ॥ घोत्ता ॥ अठारहबरणचरणप्रतिला
व। आठहैंदीरघबरणदिखाव ॥ बरणहैंदशलघुछन्दब
नाव। चरचरीकथकेमोहिंसुनाव ॥चारकमचारसौअक्ष
रआन। रामपरसाददुबेकाज्ञान ॥ चंचरी ॥ बाजतीसुनु
बीनबैरनहैकहूँनँदलालकी। नैनमानतनासखीछबिजी
बसीबनमालकी ॥ टेक॥बानसेउरमांझलागततानतोड़
तजोरसे। चैननापड़तीहमैंजियजातमैनमरोरसे॥ धाम
मेंकलनापरैचितलागनन्दाकिशोरसे। मैंमिलौंकसकैस
खीबनजायकैचितचोरसे ॥ हेसखीलगतीहियेममतान
दीनदयालकी १ कैगईहमकादुखीअबलाबिनाबल

जानरी। दाहसीउठतीमरीअबबेदमोहनआनरी॥ हैल गीजियमेंलखौ वहजोरसेकसतानरी। लाबुलाहरिकाय हांतकदेसखीजियदानरी ॥ हैचुभीजियमेंसखीवहभ्भौं कमाधवचालकी २ आशहैहरिकोमिलौंअबमांभका ननआजरी। हींलगौंउनकेसबैतनमेंअभूषणसाजरी॥ एकतोयहमोहिंबैरनसौतिहैकुललाजरी। दूसरेमनमेंबि राजतहैंसदाब्रजराजरी ॥ तीसरेतनमाहिंफांससमान बीनकरालकी ३ बेनबाजतहैभलीमहराजमोहनआद की। कोकहैउपमाकहौंवहवेनकीशुभनादकी॥ हैसुधार समेंभरीयहकाव्यरामप्रसादकी। जोसुनैसमुभैउसेनहिं चाहबादबिबादकी।देखतौकथनीभलीयहचंचरीतनका लकी४॥छन्दकुसुमबिचित्रासखी॥ धरुनगनफिरधरुयगनफिर नगनयगनबिशालहै। द्वादशबरणप्रतिचरणमेंयहका व्यदेखबिशालहै॥ कहैदुबेरामप्रसादमेराचंगब्रजेचौता लहै।सुनब्ररणइसछन्दकेतेराकिधरकोख्यालहै॥ घोसा॥ दोसौचौंसठवरणसुधार।चरणप्रतिगिनलेबारहजार॥ दीर्घअट्ठासीधरेनिहार। चरणप्रतिआठह्रस्वविस्तार॥ छन्दयेकुसुमबिचित्राजान।रामपरसादनेकहाबखान॥ हरिसुधमेरीसखीबिसराई। ऋतुबरषाबैरनअबआई॥ टेक॥ चहुँदिशिमोराखगगनबोले। जलबरषैमारुतअति डोले॥ सखिनिरखैमेघापटखोले। तनसजिकेभूषणअ नमोले॥ अतिखुशहोतीपतिउरलाई १ सखिबरषाभै अतिदुखदाता। घरबनआलीअबनाहिंभाता॥ घनगर जैजीअतिथहराता। रटपपिहायेपियपियगाता॥ दम कतकौंधाअतिदुखदाई २ चहुँदिशिछायेललखिघनकारे।

उमड़तआलीसबनदनारे.॥ बरबसदेतामनमथजारे। चुपरहुरेकोकिलदइमारे॥ उरकबलागैसखियदुराई३ अबसखिदेखोतनमनसाधे।हरिगुणगावोनिशदिनराधे॥ हितचितसेयेपदअवराधे। हरिमिलनंकेवलमनबांधे॥ द्विजकथनीयाकथकरगाई ४॥सखी॥ सोलाकलाप्रतिचरणआवैबरणग्यारहबर्णतू। करचातुरीयहिभांतिकथिकै गावबाइसचर्णतू॥ छंदहैयहुछंदमेंलदेखलेउदाहर्णतू। कहैदुबेरामप्रसादलखुयहुपदधरीहृतधर्णतू॥धोसा॥कठिनहैकाव्यबनानाछंद। इसेक्यासमभेतूमातिमंद॥जोरलीतुकैबकैफरफंद।बनगयेशायरमूसरचंद॥नदेखीकाव्यनापिङ्गलकोश। कहांसेहोयकाव्यकाहोश॥आलीवहबाजतबीनआज।सुनिकैधुनिछूटीलोकलाज॥टेक॥मनबसाहमारेनंदलाल। अद्भुतशोभाहैमुकुटभाल॥ काननमेंकुंडलहैंरसाल।पीतांबरसोहैबिमलमाल॥ यमुनातटराजैमहाराज १ जादूकरतीहैमधुरबीन। बंशीबजायकैबिबशकीन॥मनतानसुनाकैमोहिलीन।बंशीमेंबाजतगतिनवीन॥ वहसातौस्वरसेकैमराज २ हमकानहिंभावैखानपान। जबसेसुनपाईबीनतान॥ लागेउरमेंहैमदनबान। सखिभूलरहाजीबीचतान॥ नाभावतहमकाधामकाज ३ यहबैरनबंशीशब्दशोर। नाभूलैकरतीशोरघोर॥ रामप्रसादभाप्रातशोर। यहधूममचावैखोरखोर॥ मुरलीमेंमोहीसुरसमाज४॥ सखी ॥चारजगनप्रतिचरणआवैहस्वआठविचारतू। चारदीर्घप्रतिचरणकरकाव्यमतबिस्तारतू॥ कहैदुबेरामप्रसादअबयहुछंदभेदनिहारतू।यहुछंदमोतीदामकरकेदेखलेप्रस्तारतू॥

घोसा ॥ लगेछंदगानेढेढ़चमार। तुकलीजोड़बनेहुशिया र॥ करैंअशराफोंसेतकरार। आखिरशगानेमेंगेहार॥ रामप्रसाददुबेगावै। छंदपिंगलसेदरशावै॥ छंदमोती-दाम॥रटौंगिरिजासुतहैंगुणधाम। लजैंछबिदेखतकोटिन काम॥ टेक॥ बिहाग॥ बिराजतनैनबिशालरसाल। सदा सुखदायकदीनदयाल॥ लियेफरसाशशिसोहतभाल। लसैंगरमें शुभमोतिनमाल॥ भजैंगनराजलहैबिस राम १ कहेगननामनशातकलेश। सदागुणगावत जासुसुरेश॥ लसैशुभमूसनगातसुबेश। कहैंफलदायक शेशमुनेश॥ सबैसुरगावतहैंनितनाम २ भनैंनितबेद बखानतसंत। कहेंसबआदिअनादिअनंत॥ गजा ननकानहिंपावतअन्त। बलीभुजचारिलसैंयकदन्त। बिनाशतशूलसुखीसबयाम ३ भजैपदपंकजरामप्रसा द। दयानिधिहौतुमईशअनाद॥ करैहरिनामनरायण याद। बिजैतुमदायकबादबिबाद॥ कहैंबटईनित राहललाम ४॥ सखी॥ प्रतिचरणमेंभगनतीनबिचार गुरुलघुकोधरो। बरणग्यारहचरणकेबिस्तारतुमयहि बिधिकरो॥ देखपिंगलकविमतेफिरछंदविद्याचितधरो। यहछंददोधकजानलेयहिरीतिसेछँदकोभरो॥ घोसा॥ खुलेनाजबतकछंदकीजात। सहीनाउसकाबिताकीबात॥ करेतूमतभगनेकीघात। आजदंगलमेंहुयेतुममात॥ रामप्रसाददुबेगावै। चंगदंगलमेंखड़कावै॥ छन्ददोधक॥ श्रीनँदलालनहींघरआये। मैनहमैंदिनरैनसताये॥टेक॥ मोहिंननींदहरीबिनआवै। तापरदादुरबोलसुनावै॥ सावनमेघमलारनभावै। कोयलकूकतहूकउठावै॥ घेर

चहूंदिशिबादरआये १ माधवनेब्रजराहबिसारी । भै कुबरीउनकीनारी ॥ पावसदेतहमेंदुखभारी । शोचत हैंसबबामबिचारी ॥ हारशृँगारहमैंनहिंभाये २ वारिल गीवरसाचहुंवोरा । आवतनाघरनंदकिशोरा ॥ मारत केचहुँओरझकोरा । देतघनोदुखबोलतमोरा ॥ चातक बोलनदेतजलाये ३ रामप्रसादबिनानँदलाला । काम बिथाबिलपैंसबबाला ॥ मोहनलालकहैंगुणवाला । बा जतचंगसभाबिचआला ॥ कूरकबिसुनकैघबराये ४ भेदकुछजानानहींतूनेगुनीजनछंदको । जोरतुकगानेल गेमारगसीखाफरफंदको ॥ ज्ञानतुझमेंहैनहींचेलातूंमू सरचंदको । कहतेहैंरामप्रसादतूसाधूसरामतमंदको ॥ दोहा ॥ चरणप्रतिचारभगनपरवीन । बरणद्वादशकीगि नतीकीन ॥ चारदीर्घहैंआठलघुलीन । इसेतूक्यासम झेमतिहीन ॥ छंदयहुमोदककहाबखान । रामप्रसाद दुबेकाज्ञान ॥ आजसखीमुरलीधुनिबाजत । पीरहिये हमरेउपराजत ॥ टेक ॥ याबसरीअसरीजियजारत । जानिहमैंअबलाहठिमारत ॥ बैठहियेउरबैरनजारत । मोहनमंत्रमनीपढ़िडारत ॥ सातसुरौमधुरीधुनिगाज त १ रैनसमैसखिनींदनआवत । कामबिथाअतिजो रजनावत ॥ मोहिंसखीघरनेकनभावत । मोहनवाजब बीनबजावत ॥ जीहमरोहरिकेढिगभाजत २ जीहुलसै वनदेखहुपावन । वेगचलौजहँहैंमनभावन ॥ मोहनहैं जहँमोदबढ़ावन । सोहतकोटिनकामलजावन ॥ साथ सखाहरिआपविराजत ३रामप्रसादभजैपदपंकज ।जो सुमिरैसनकादिकऔअज ॥ भूलमतीमनसापदतूंभज।

मोहनलालचहैपदकीरज॥पातकभागतत्तैननआंजत४ बिनाश्यामकेदरशसखीरीमानतबैरीनैननहीं। बिनवन मालीहमैंनिशिबासरपरतीचैननहीं॥ टेक ॥मुनिकोतात तातताकोतातातनाममोहिंनहिंभावै। मरालपतिकोता तभ्राताराणबहुदुखउपजावै॥ शूरसेनसुतनारिबंधुदासी कोबिहारीउरलावै। वेदनखतलैग्रहमिश्रितमहँबनिता दुखपावे॥ चित्राअग्रहितूकेसजनीभावतहमकोबैनन हीं १ हरिकेसखापितापितुमातामातुशत्रुभेदुखदाता। बारिधितनयाकांतदलसोरसखीमोहिंनाहिंभाता॥ गंगा तनैशत्रुहितुआलीअजयामनहिंपहुंचाता। तनमनजा रैसिंधुसुतापतिछलत्रियजेकोऊगाता॥ अनंदतेआका रत्यागसुतकेसंगकीन्हीसैननहीं २ गिरधीकोतादासस होदरहितूहमैंनाआवतहै। मंदरआननमध्यहरिबसैहमैं तरसावतहै॥सिंधुसुताभ्रातापतिरिपुआलीरीअंगजला वतहै।सुरअरिस्वामीतासुहावनअतिशोरसुनावतहै॥सो मअअदिनमातुतनैशत्रुबिनबीतैरैननहीं ३ भालसुतापु नितापतिताकेनामैरामप्रसादगहे। अहिपतिभाखैयथा रथसोजसपिंगलदेखकहे॥ ढोलाबटईकहैपापसबराधा माधौकहतदहे। बिनगुणगायेकहैंदुर्गाप्रसादभवमांझ बहे॥ मोतीपुरीयोंकहैश्यामसमपावतकोटोमैननहीं ४

कहरवा॥ मतकरहुलालबरजोरी। भलामैंतौतोसेनखेलों होरी॥ टेक ॥ तूनेमेरीरेशमकीचोलीफारी। घरसासुब हुतदेगीगारी॥ मुंहपरहमरेपिचकारी। तकलालसखिन बिचमारी॥ गईभीजकुसुमरँगसारी। हमजाबललन घरमारी॥ कुचगहतमालमोरिटोरी १ तूकरकैसरबोर

भिजावै। मुखमलतगुलाललगावै ॥ कुचकरगहिजोर
जनावै। सखियनसेहमैंधरलावै ॥ नहिंनेकललनसकु
चावै। हँसिहँसिमोहिंकंठलगावै ॥ हँसिरहींसकलपुर
गोरी २ तुमबकतहजारनगाली। सुनकरसबहँसतीआ
ली ॥ नटखटमनमोहनचाली । मोहिंपरपढ़मोहनीडा
ली ॥ यहसुरतटरतनाटाली। अबदेऊँछोड़हमैंबनमाली ॥
अंगरंगकरदौंसरबोरी ३ वहबालबहुतघबरावै । च
रणनपरिबिनैसुनावै ॥ निजसंगहरिहोरीखेलावै । द्वि
जरामप्रसादसकुचगावै॥ नरवरसिंहचंगबजावै ।चंगऊ
परतुर्राभ्हलकावै॥यहकथनसुनौरसबोरी४॥छंदमोतीदाम ॥
कहौंमनमूढ़भलीयहबात। भजोरघुनायककोदिनरात॥
टेक ॥ अरेशठकालसदानियरात । महाबलवंतनतोहिं
दिखात॥अचानकआकरकंठदबात। सहायनहोबनता
तनमात ॥ सबैधनमालयहींरहजात १ नदीयमयातन
मानकराल। भयंकरहैजलजीवबिशाल ॥ नकेवटनावन
मीतकृपाल । तहांचितदेखतहोतबिहाल ॥ वहांफिर
कोअवलंबधरात २ हरैंतहँसंकटदीनदयाल। प्रभूसब
दासनकेप्रतिपाल ॥ सुनेजबटेरचलेततकाल। दयाक
रलेवतबेगनिकाल ॥ उबारतबारननेक लगात ३ जपै
कसनाअसनामअजान । जुहैशतकोटिनकालसमा
न ॥ गहैप्रतिबिंबनताकरमान । रहैजिसकेशिरपैभग
वान॥ रटौजिनसेयमराजडरात ४ गुरूममरामप्रसाद
सुजान। रटैंरघुनन्दनकोगुणगान ॥ कहैंसरदारसभा
दरम्यान। अरेकलंगीकलिकोफँदजान ॥ गुणीपरसाद
यहीसमुभ्हात ५ परोममतामदकेअबफन्द । जरानहिं

चेततरेमतिमन्द ॥ टेक ॥ फँसोशठमोहमहाभ्रमजाल।
कहैममहैंसबयेधनमाल॥ अहैगृहमेंगजगामिनिबाल।
शशिबदनीरतिरूपरसाल ॥ दोहा ॥ भाईभामिनिसुता
सुत मेरोअतिपरिवार। मेरोकुलऊंचोअधिकसबबिधि
हूंमेंभार ॥ भयोलखिकेसबठाटअनन्द १ रटैममरेमम
रेमनबैन। लहैचितमेंशठनेकनचैन॥ भयेतबसावनआं
धरनैन। हरोरँगसूझतहैदिनरैन ॥ दोहा ॥ हरोहरोपर
धनकहत हरीहरीपरनार ॥ हरीहरीनाहिंभजतखल मू
रखमूढ़गवाँर ॥ जपैकसनाहरिमूरखचन्द २ नहींयम
कोडरहैलवक्लेश । कहैयहितेममूढ़हमेश ॥ अरेशिर
देखतनासितकेश। दियोयहआकरकालसँदेश ॥ दोहा ॥
कालमहाबलवंतसनबचोनकोईकाल। कालसिरावैतोर
जबहोहैकौनहवाल ॥ डरैशठकालभजेसुखकन्द ३ गुरू
अतिनागररामप्रसाद। करैंरघुनन्दनकोगुणबाद॥ कहै
सरदाररहीलघुम्याद।करोइसमेंप्रभुकोखलयाद ॥दोहा॥
श्रीपतिभजनछोड़नरकहतहैप्यारेलाल । प्यारेलाल
जुत्यागहूअवशिहोहुकंगाल ॥ निरादरहैकलँगीकरछ
न्द ४ निवेदननाथकरोंकरजोर। दयाकरनेकलखोमम
ओर॥ टेक ॥ अहोंप्रभुमूरखमैंमतिहीन । विषैरसमोर
रहैमनलीन॥ अघीपरनिन्दकहौंअतिदीन। तकोंनिशि
बासरनारिनवीन ॥ दोहा ॥ मंत्रअनेकनसिधिकरोंबशी
करणइत्यादि । नितनयपापहमेशमेंकरोनहैंगोआदि ॥
फँसोभवसागरमेंमनमोर १ नहींतपसंयमतीरथदान ।
करोंनहिंसंतनकोसनमान॥सुहातनरामकथागुणगान।
महाअघमन्दिरहूभगवान॥ दोहा॥ प्रभुसुमिरोंनहिंदीन